हरिभूमि
रायपुर भूमि

बकरीद पर सजा बकरा बाजार...एक लाख से ज्यादा में सोनू और 70 हजार में बिका सुल्तान, सोशल मीडिया पर छाया तीन लाख का 'इमरान'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि लाइव

बकरीद के लिए इस बार शास्त्री मार्केट के पास सीरत मैदान में कुर्बानी के लिए पशुपालकों ने करोड़ों का बाजार सजाया। इसमें 150 किलो से भी ज्यादा वजन वाले इमरान का सोशल मीडिया पर वीडियो देखने के बाद उसे खरीदने के लिए कई लोग पहुंचे। वहीं एमजी रोड के पशुपालक लोगों को यह कहकर लौटाते रहे कि 150 किलो वजन वाले इमरान को उन्होंने ▶▶|शेष पेज 13 पर

■ शास्त्री मार्केट के सीरत मैदान में बकरीद के लिए पशुपालकों ने सजाया 8 करोड़ का बाजार

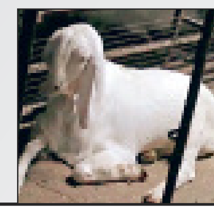

बकरीद से पहले दिनभर मजमा

सोमवार को बकरीद मनाई जाएगी। इसमें कुर्बानी की परंपरा निभाने के लिए बकरीद से एक दिन पहले यानी रविवार को दिनभर सीरत मैदान में लगाए गए मुख्य बकरा मार्केट में लोगों का मजमा लगा रहा। बकरे खरीदने के लिए पहुंचने वाले लोग खाली हाथ न लौटने पाएं, इसका पशुपालकों ने ख्याल रखा। बाजार में पशु लेकर पहुंचे लोगों ने एक-दूसरे को बकरे का सही दाम दिलाने में भी भरपूर सहयोग किया। खरीदारों ने भी बकरे की नस्ल व डाइट जानने का प्रयास किया।

सौ किलों से ज्यादा वजनी सोनू

बैजनाथपारा निवासी जिया कुरैशी ने बताया कि मालवा नस्ल के बकरे का नाम सोनू रखा गया है। सौ किलो से ज्यादा वजन वाले सोनू को धमतरी के एक राइस मिलर ने एक लाख 11 हजार देकर खरीदा। इस बार बाजार में बिकने के लिए लाए गए बकरों में यह सबसे महंगे दाम पर बिका है। वहीं पंजाब के अंडू नस्ल वाले सुल्तान को एक ट्रांसपोर्ट मालिक ने 70 हजार में खरीदा। इन बकरों को प्रतिदिन एक लीटर भैंस का दूध, जौ, चना, मक्का और राजस्थानी लूमपत्ती खिलाए जाते हैं। यह डाइट बकरे का वजन बढ़ाने के लिए भी देते हैं।

रंग लाई दो साल की गई मेहनत

एमजी रोड के पशुपालक अबीद के पास खस्सी बकरा है। दो साल में खानपान व डाइट मेंटेन करने से वह 150 किलो से ज्यादा वजनी हो गया है। इसे सोशल मीडिया पर वायरल करने पर हर किसी ने पसंद किया। इसका नाम इमरान रखा गया है। हालांकि इसे बेचने के लिए तैयार नहीं किया गया था, इसके बाद भी बाजार में आने वाले लोगों की मांग पर दिखाने के लिए लाया गया। बकरे का शौक रखने वाले तीन लाख में भी इसे लेने के लिए तैयार थे। कुर्बानी के लिए पालने की जानकारी मिलने पर वे लौट गए।

खबर संक्षेप

भीड़ में टकराने के विवाद पर युवक से मारपीट

रायपुर। कोतवाली थाने में एक युवक ने दो लड़कों के खिलाफ भीड़ में टकराने के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक सत्या निषाद ने भावेश तथा उसके एक

अन्य साथी के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। सत्या ने पुलिस को बताया कि पुलिस लाइन शराब दुकान के पास वह खड़ा था, इसी दौरान भावेश उससे आकर टकरा गया। इस बात को लेकर विवाद करते हुए भावेश ने सत्या के साथ मारपीट की।

पैसे देने से इनकार करने पर ब्लेड से हमला

रायपुर। तेलीबांधा थाने में एक युवक ने दूसरे युवक के खिलाफ शराब पीने पैसे देने से इनकार करने पर ब्लेड से हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक महेश गिरी ने सिधवा आलू के खिलाफ ब्लेड से हमला करने की शिकायत दर्ज कराई है। महेश ने पुलिस को बताया कि वह काशीराम चौकी के पास अपने दोस्तों के साथ बैठा था, इसी दौरान सिधवा उसके पास पहुंचा और शराब पीने पैसे देने की मांग करने लगा। महेश ने पैसे देने से इनकार कर दिया तो सिधवा ने महेश के गले तथा हाथ पर ब्लेड से वार कर दिया।

हार्न बजाने के विवाद पर मारपीट

रायपुर। मंदिर हसौद थाने में कारपेंटर ने एक युवक तथा उसके एक अन्य साथी के खिलाफ हार्न बजाने के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक खरोरा निवासी दुर्गेश

साहू ने सुरेश धीवर तथा उसके एक अन्य साथी के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। दुर्गेश ने पुलिस को बताया कि वह बाइक से रोड पार कर रहा था, इस दौरान सुरेश तथा उसका साथी रोड पार कर रहे थे, जिसके लिए उसने हार्न बजाया। इस बात को लेकर सुरेश तथा उसके साथी ने विवाद करते हुए दुर्गेश के साथ मारपीट की।

माड़ में घुसकर नक्सलियों को मारने वालों की जांबाजी की कहानी उन्हीं की जुबानी

टेकरी पर मीटिंग कर रहे थे नक्सली, पेड़ से टकराकर मेरे पैर में लगी गोली, साथी जवानों ने आठों को मार गिराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आंखों-देखी

सर्चिंग से वापसी के दौरान माड़ के फरसेबेड़ा की टेकरी में नक्सलियों द्वारा मीटिंग करने की जानकारी मिली थी। घेराबंदी के दौरान उन्होंने गोली चलाना शुरू कर दिया। पोजीशन लेकर हमने जवाबी कार्रवाई की। नक्सली की गोली से हमारा एक साथी नितेश एक्का शहीद हो गया। कैलाश नेताम और मैं (लेखराम नेताम) गंभीर रूप से घायल हो गए, तब तक साथी जवानों ने सारे नक्सलियों को घेर लिया था...।

नारायणपुर के माड़ में आठ नक्सलियों को मार गिराने के दौरान गोली लगने से जख्मी दोनों जवान लेखराम नेताम और कैलाश नेताम को राजधानी के रामकृष्ण केयर हास्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। हरिभूमि टीम से उन्होंने घटना की आंखों-देखी बयां की। लेखराम ने बताया कि बघेरा, कोंडागांव, कांकेर, जगदलपुर, नारायणपुर की संयुक्त फोर्स नक्सली मूवमेंट की सूचना पर सर्चिंग पर निकली थी। वापसी के दौरान उनकी एसटीएफ को सूचना मिली कि फरसेबेड़ा के आसपास नक्सली किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सर्चिंग करते हम वहां पहुंचे, जहां एक टेकरी में बैठकर नक्सली मीटिंग कर रहे थे। उन्हें पकड़ने के लिए घेराबंदी की जा रही थी, इसी दौरान भनक लगने पर उन्होंने गोली चलाना शुरू कर दिया। फोर्स ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू की और सबने पोजीशन लेकर फायरिंग की। सभी पेड़ की ▶▶|शेष पेज 13 पर

जख्मी जवानों को रामकृष्ण केयर हास्पिटल में कराया गया है भर्ती

जल्द लौटेंगे ड्यूटी पर

दोनों जवानों को कुछ दिनों तक चिकित्सकों की निगरानी में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वस्थ होने के बाद वे जल्द ही वापस ड्यूटी पर लौटने के इच्छुक हैं। नारायणपुर में चलाए जा रहे माड़ बचाओ अभियान में वे अपनी सक्रिय भागीदारी निभाना चाहते हैं।

कैलाश नेताम

लेखराम नेताम

हमने जवाब दिया

जख्मी एसटीएफ के जवान कैलाश के पेट के पास गोली लगी थी। चिकित्सकों ने उसकी सर्जरी की, जिसके बाद वे खतरे से बाहर आ गए। कैलाश ने बताया कि सूचना पर हम घेराबंदी कर उन्हें पकड़ने की कोशिश कर रहे थे। बड़ी संख्या में फोर्स देखकर नक्सली हड़बड़ा गए और बिना कुछ सोचे-समझे गोली चलाना शुरू कर दिया। हमने उनकी गोलियों का जवाब गोलियों से दिया और उन्हें मार गिराया।

आसान था उनके लिए गोली चलाना

नक्सली टेकरी (पहाड़ीनुमा) के हिस्से में मौजूद थे और हम पर गोली चलाना उनके लिए आसान था। इस बात से हम अनजान नहीं थे, इसलिए पेड़ों और पत्थरों की आड़ लेकर आगे बढ़ते चले गए। इस दौरान हमारी ओर से चलाई गई गोलियों की जद में नक्सली आ गए। अंधाधुंध फायरिंग की वजह से उनकी गोलियां जल्दी खत्म हो गई थीं, इसलिए वे ज्यादा देर तक मुकाबला नहीं कर पाए और ढेर हो गए।

शहीद जवान के पार्थिव शरीर को सीएम-डिप्टी सीएम ने कांधा देकर किया गृहग्राम रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने रविवार को चौथी बटालियन माना पहुंचकर गत दिवस नारायणपुर जिले में नक्सली मुठभेड़ में शहीद हुए जवान नितेश एक्का के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने शहीद जवान के पार्थिव शरीर को कंधा देकर ससम्मान गृहग्राम जशपुर जिले के चिरईडांड के लिए रवाना किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मौके पर कहा, नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में हुए नक्सली मुठभेड़ में हमारे वीर जवान ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। हमारी सरकार बनते ही ▶▶|शेष पेज 13 पर

■ शहीद जवान नीतेश एक्का को पुष्पचक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के खुड़मुड़ा घाट पर एक सप्ताह पूर्व मिली लाश की गुत्थी सुलझी

प्रेमी से पति की हत्या करवाई और मरा या नहीं, देखने खुद भी पहुंची जालिम पत्नी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में एक सप्ताह पूर्व 10 जून को भाठागांव में खारुन नदी के खुड़मुड़ा घाट पर मिली अज्ञात व्यक्ति की लाश की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने मृतक की पत्नी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। हत्या की वजह अवैध प्रेम प्रसंग होना बताया जा रहा है।

मामले का खुलासा करते हुए पुरानी बस्ती सीएसपी राजेश देवांगन ने बताया कि खमतराई संन्यासीपारा निवासी विधाता यादव की हत्या के आरोप में अमजद खान, मीना यादव तथा उत्तरप्रदेश के हिस्ट्रीशाटर बदमाश अन्नू प्रजापति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार अमजद का विधाता की पत्नी के साथ प्रेम प्रसंग तथा अवैध संबंध था। इसकी जानकारी मिलने पर विधाता का अपनी पत्नी ▶▶|शेष पेज 13 पर

हत्या की पुष्टि करने पहुंची घटनास्थल

मीना को अपने पति की हत्या होने को लेकर यकीन नहीं था, इसलिए वह अमजद से अपने पति की लाश दिखाने की मांग करने लगी। घटना के दूसरे दिन अमजद मीना को विधाता की लाश दिखाने घटनास्थल लेकर पहुंचा। लाश की शिनाख्त होने के बाद पुलिस ने कॉल डंप निकालकर जांच की तो मृतक की पत्नी का अमजद के लगातार संपर्क रहने की बात सामने आई, साथ ही अमजद के मोबाइल की लोकेशन महादेवघाट के पास होना पाया गया। तब पुलिस ने शक के आधार पर मीना को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कराने का अपराध कबूल किया।

पत्नी ने कहा शराब पिलाओ और मार दो

पुलिस के अनुसार अमजद के साथ रहने के लिए विधाता रास्ते का कांटा साबित हो रहा था। इसलिए मीना ने अमजद से कहा, उसका पति शराब पीने का आदी है, उसे रास्ते से हटाने के लिए शराब पिलाओ और उसकी हत्या कर लाश ठिकाने लगा दो। इस पर अमजद ने अन्नू को अपने साथ लेते हुए विधाता को शराब पीने के लिए बुलाया और उसे शराब के नशे में चूर करने के बाद लोहे की पटिया से सिर पर वार कर मौत के घाट उतार दिया।

ग्रीष्मलहर के बाद उमस ने किया हलाकान, अब बारिश की उम्मीद

रायपुर। दो दिन तक ग्रीष्मलहर के बाद छाए बादल और नमी की मात्रा बढ़ने से उमस ने हलाकान कर दिया। सोमवार से रायपुर समेत राज्य में बारिश की गतिविधि बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही मानसून की राज्य में आगे बढ़ने की संभावना बन रही है। बादल छाने की वजह से रविवार को राजधानी के रहवासियों ने तेज धूप से राहत महसूस की, मगर उमस की वजह से उनका ज्यादा समय पसीना पोंछते और चिपचिपी गर्मी से परेशान होते बीता। राजधानी के अधिकतम तापमान में दो डिग्री की गिरावट आई, मगर वह सामान्य से चार डिग्री अधिक था। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि सोमवार से राज्य में बारिश की गतिविधि बढ़ेगी।

■ पेंड्रा को छोड़कर सभी शहरों का पारा 40 से नीचे

सप्लीमेंट्स फूड की जांच, दवा दुकानों से लिए गए सैंपल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शरीर में पोषक तत्वों की कमी दूर करने के लिए उपयोग में लाए जाने वाले सप्लीमेंट्स फूड को पहली बार जांच के दायरे में लिया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने चार जिलों की डेढ़ दर्जन दुकानों से इनके सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे हैं। दवा दुकानों के संचालकों से प्रतिबंधित दवाओं का लेखा-जोखा मांगा भी मांगा गया है।

तर्क दिया जा रहा है कि अनियमित दिनचर्या और खानपान की वजह से शरीर में विभिन्न प्रकार के पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। इसे दूर करने के लिए बड़ी संख्या में लोगों ▶▶|शेष पेज 13 पर

■ प्रतिबंधित दवाओं का मांगा लेखा-जोखा, अनियमितता पर नोटिस की तैयारी

खंगाल रहे दस्तावेज

दस्तावेजों की जांच के साथ सैंपल की रिपोर्ट में किसी प्रकार अनियमितता पाई जाती है तो आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

- बसंत कुमार कौशिक, सहायक नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

मौलाना कौकब मुजतबा
राष्ट्रीय अध्यक्ष
मिर्ज़ा नादिर अली
राष्ट्रीय महासचिव
सै. ज़फ़र मुजतबा
नायब सदर
मौलाना अब्दुल कादिर
नायब सदर
मौलाना हैदर रजा
सचिव
मौलाना सिरात मुजतबा
कार्यकारिणी सदस्य
फिरोज अब्बास
कार्यकारिणी सदस्य
सूफी अतहर शाह
कार्यकारिणी सदस्य
मुफ्ती मोहम्मद रफी
कार्यकारिणी सदस्य
मौलाना वज़ीर अब्बास
कार्यकारिणी सदस्य
मौलाना नबी हैदर
कार्यकारिणी सदस्य
मौलाना अली रजा
कार्यकारिणी सदस्य
मौलाना मुहम्मद जावेद
कार्यकारिणी सदस्य
मौलाना मेहदी उज्जमा
कार्यकारिणी सदस्य
मौलाना मुहम्मद कुमैल
कार्यकारिणी सदस्य
मुहम्मद बिलाल
कार्यकारिणी सदस्य
मौलाना मुहम्मद अनवर
कार्यकारिणी सदस्य
अली मेहदी
कार्यकारिणी सदस्य
عید الاضحیٰ مبارک
समस्त प्रदेशवासियों को
ईद उल अज़हा
की शुभकामनायें व
बहुत बहुत मुबारक़बाद
तालीम ज़िन्दगी के लिए, ज़िन्दगी वतन के लिए
अपने से नीचे के कार्यकर्ताओं को बढ़ाइये
सैय्यद रज़ा
पूर्व प्रदेश मंत्री (भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, छ.ग.)
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (ऑल इंडिया शिया समाज)
sumit

खबर संक्षेप

नारा में पेयजल संकट बरकरार पांचवे साल से सिर्फ आश्वासन

आरंग। जनपद पंचायत आरंग के अधीन ग्राम पंचायत नारा मे नल–जल मिशन योजना के तहत जल की आपूर्ति पिछले चार साल की तरह पांचवे साल भी आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। जबकि ग्राम नारा मे पानी की कोई कमी नहीं है उनके बावजूद ठेकेदार नारावासियो को पेयजल की आपूर्ति करने मे असहाय है। दो माह पूर्व कलेक्टर दौरा के दौरान ठेकेदार ने 15 दिवस के भीतर नारावासियो को पेयजल हेतु भटकने की जरूरत न पड़ने का आश्वासन के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्राम सरपंच हेमंत चंद्राकर लगभग 5 साल पहले सरपंच बनने के बाद से अभी तक हर साल पीएचई विभाग के अधिकारी व ठेकेदार के लगातार इसकी लिखित व मौखिक जानकारी देने के बाद भी ठेकेदार व संबंधित विभाग के अधिकारी पेयजल उपलब्ध कराने मे कोई रूचि नहीं दिखा रहे है। जबकि नारा मे पर्याप्त पेयजल होने के बावजूद वार्ड क्रमांक 1, 2, 3, 11, 12, 13, 14, 15, 16 के ग्रामीण पेयजल के लिए शुबह से लेकर शाम तक भटकने विवश है।

नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶। तिल्दा नेवरा

नाबालिक लडकी को बहला फुसलाकर कर भगा ले जाने व उसके साथ बलात्कार करने के आरोप में युवक साहिल उर्फ आशु साहू पिता नानुक साहू (19) वार्ड क्र 18 शिक्षक कॉलोनी निवासी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पीडिता के पिता द्वारा 12 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई कि इसकी 12 साल की नाबालिग लडकी घर से लापता है। जिस पर पुलिस ने

गुम इंसान पंजीबद्ध किया। विवेचना के दौरान संदेही साहिल साहू के कब्जे से कटनी मप्र से बरामद कर पूछताछ कर कथन लेने पर बालिका के द्वारा साहिल साहू इसे प्यार करता हू, शादी करूंगा, पत्नि बनाकर रखूंगा बोलकर बहला फुसलाकर भगा ले जाकर कटनी ले गया और रेल्वे स्टेशन कटनी के पास सूनसान जगह में मना करने के बाद भी जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया है बतायी। पीडिता एवं आरोपी का मेडिकल परीक्षण उपरांत प्रकरण में धारा 366, 376, 376(3) भादवि एवं पाक्सो एक्ट की धारा 04, 06 जोडी जाकर आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

सीआरपीएफ ने इतिहासकार डॉ. हेमू यदु को याद किया

अभनपुर। सीआरपीएफ 211 बटालियन में स्वर्गीय डॉक्टर हेमू यदु को याद किया गया। स्वर्गीय डॉ हेमू यदु छत्तीसगढ़ के एक प्रसिद्ध पुरातत्वविद,इतिहासकार व लेखक रहे हैं। इन्होंने राम वन गमन पर बहुत सारे शोध किए हैं और उससे संबंधित पुस्तक प्रकाशित हुई है। 211 बटालियन के कमांडेंट संजीव रंजन ने उनके परिवारजनों को आमंत्रित कर सम्मानित किया। उनके परिवारजनों में उनकी पत्नी श्रीमती उमा यदु और उनकी दो पुत्रियाँ डॉ प्रकृति और सृष्टि व डॉक्टर किशोर अग्रवाल इस दौरान उपस्थित रहे। डॉ किशोर अग्रवाल सेवानिवृत्त पुलिस उपमहानिरीक्षक के साथ ही साहित्यकार, कवि व चित्रकार भी है। इस सभा के दौरान डॉक्टर हेमू यादव को याद किया गया एवं उनसे जुड़े संस्मरण को बताया गया। इस अवसर पर नीरज कुमार उप कमांडेंट, सर्वेश तोमर सहायक कमांडेंट, संतोष सुमन सहायक कमांडेंट,डॉक्टर देविनेनी तपस्विनी चिकित्सा अधिकारी एवं परिवारजन उपस्थित रहे।

पथरी खदान नंबर 3 में अज्ञात महिला की लाश तैरती मिली

हरिभूमि न्यूज ▶▶। सिलयारी

सिलयारी से बोहरही मार्ग पर पथरी 3खदान में डूबने से एक अज्ञात महिला की शव पानी में तैरती देखी गई।जिससे गांव में सनसनी फ़ैल गई जानकारी के अनुसार रविवार सुबह ग्रामीण ने निस्तारी करने जब खदान गया तो देखा की एक महिला की शव पानी में तैयर रहा था जिसकी सुचना गांव के सरपंच को दिया सरपंच ने घटस्थल पर पहुंचे और जिसकी जानकारी सिलयारी पुलिस चौकी को दी सुचना पर सिलयारी चौकी व्दारा घटस्थल पहुंच कर महिला की शव को खदान से बाहर निकलवाया तो देखा की महिला की शरीर पुरी तरह से सुकड़ गया था और उसके नाक से खुन निकल रहे थे,हाथों में लाल रंग की चुड़ी,व बायां हाथ में पुराने कटे निशान और पीले रंग का ब्लाउज,पीले रंग का लहंगा पहने हुई है। सिलयारी पुलिस ने मर्ग कायम कर महिला की शव को पोस्टमार्टम के लिए धरसीवां भेज दी गई। जांच विवेचना में लिया।

चाकू लहरा राहगीरों को डराया, युवक जेल गया

आरंग। मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में सरेआम चाकू लहरा राहगीरों को आतंकित करने वाले पूर्व से आपराधिक रिकॉर्डधारी ग्राम टेकारी निवासी 19 वर्षीय अंगलेश्वर उर्फ प्रेम वर्मा को मुखबिर की सूचना पर थाना अमला ने धर दबोचा। थाना प्रभारी सचिन सिंह को सूचना मिलने के तुरंत बाद सक्रिय हुये उपनिरीक्षक रमेन्द्र यादव के अगुवाई वाले पुलिस दल ने इससे चाकू जप्त कर आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 के आरोप में इसे गिरफ्तार किया। न्यायालयीन आदेश पर इसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल करा दिया गया है।

भीमसेनी एकादशी मानस सम्मेलन में श्रीराम भक्ति का छाया उल्लास

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

भीमसेनी एकादशी के उपलक्ष्य में मठपुरेना वाटर फिल्टर प्लांट परिसर स्थित सर्व सिद्ध हनुमान मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय सस्वर मानस सम्मेलन का शुभारंभ रविवार को दूधाधारी मठ के महंत श्री रामसुंदर दास के मुख्यआतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर महंत श्री ने कहा कि श्रीरामचरितमानस भारतीय जीवन दर्शन ही नहीं अध्यात्मिक जगत की अनूठी कृति है। जिसके पठन-पाठन से जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन होते हैं। मानस के पाठ से जीवन की भ्रांतियां मिटती है और क्रांति आती है। मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष मोहन लाल साहू, सोमनाथ निषाद और दीनदयाल साहू ने अतिथियों का स्वागत किया। श्रीमती पुष्पा शर्मा की मानस मंडली ने प्रस्तुति देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंदिर समिति ने जानकारी दी कि कार्यक्रम में प्रतिभागी मंडिलियों को एक-एक घंटे का समय दिया जाता है। बाहर से आने वाली मंडलियों के भोजन और आवास की व्यवस्थ मंदिर परिसर में की गई है। कार्यक्रम में पुजारी घनश्याम वैष्णव, श्रीमती शीला, बसंती मानिकपुरी, धमतरी कुरुद निवास वैद्यराज नंदलुसाहू, बाबूलाल साहू, मुक्ति साहू, डीडी साहू का योगदान उल्लेखनीय है।

आज से अखंड मानस पाठ

श्री बजरंग शक्ति मानस मंडली द्वारा भाठागांव वार्ड 61 में भी म से नी एकादशी के अवसर पर 17 और 18 को दो दिवसीय अखंड मानस पाठ का आयोजन किया जाएगा। समिति के उद्घोषक आरडी सोनकर ने बताया कि पाठ के अंचल की कई नामी मंडलियों का पंजीयन किया जा चुका है। प्रतिभागी मंडलियों के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की गई है। इसके अलावा सम्मान स्वरूप समिति द्वारा सम्मानिधि दी जाएगी। कार्यक्रम की सफलता के लिए अध्यक्ष निरंजन, तीरथ सोनकर, रवि सोनकर आदि सक्रिय है।

पेज 11 के शेष...

बकरीद पर सजा...

खुद कुर्बानी देने के लिए बचाया है। बाजार में बकरे को तीन लाख तक खरीदने के लिए कई लोग तैयार थे। इस बार सोनू सबसे ज्यादा वजन वाले बकरे के रूप में 1 लाख 11 हजार में बिका, वहीं सुल्तान की कीमत शौकीनों ने 70 हजार रुपए चुकाई।

टेकरी पर मीटिंग...

आड़ लेकर गोली चला रहे थे, इसी दौरान साथी नितेश को गोली लगी और वह शहीद हो गया। कैलाश गंभीर रूप से जख्मी हुआ और पेड़ से टकराकर एक गोली मेरे पैर में घुस गई। तब तक साथी जवानों ने अपना काम पूरा किया और सभी नक्सलियों को मार गिराया।

शहीद जवान के ...

हमने नक्सलियों के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज कर दी है और हम निर्णायक लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे जवानों की शहादत बेकार नहीं जाएगी और हम क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए संकल्पित हैं। मुख्यमंत्री ने इस दौरान शहीद जवान नितेश एक्का के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

नक्सली मुठभेड़ में हुए शहीदः

गौरतलब है कि एसटीएफ के शहीद आरक्षक नितेश एक्का जशपुर जिले के रहने वाले थे। 12 जून को नारायणपुर जिले के फरसबेड़ा-धुरबेड़ा क्षेत्र में डीआरजी, एसटीएफ और बीएसएफ का संयुक्त बल नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना हुआ था। अभियान के दौरान 15 जून को नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी और जवाबी कार्यवाही में 8 माओवादियों को मार गिराया गया। इस दौरान सुरक्षाबल के दो जवान घायल हुए और एक जवान शहीद हो गया।

प्रेमी से पति की...

के साथ अक्सर विवाद होता रहता था। आए दिन विवाद से तंग आकर मीना ने अमजद के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की योजना बनाई।

अमजद से किराए पर लेता था ऑटो

पुलिस के अनुसार अमजद का ऑटो किराए पर देने का कारोबार है। विधाता भी अमजद की ऑटो किराए पर लेकर चलाता था।इस दौरान विधाता की अमजद के साथ जान-पहचान हो गई और वह विधाता के घर आना-जाना शुरू कर दिया। इस दौरान विधाता की पत्नी से अमजद का प्रेम प्रसंग स्थापित हो गया। पुलिस के अनुसार अन्नू भी अमजद से ऑटो किराए पर लेकर चलाने का काम करता था।

हत्या होने तक मोबाइल से संपर्क में रही पत्नी

पुलिस के अनुसार अमजद, अन्नू के साथ मिलकर विधाता को जब शराब पिला रहा था, तब भी विधाता की पत्नी अमजद के साथ मोबाइल से संपर्क करते रही और बार-बार अमजद से हत्या हुई या नहीं, इस बात को लेकर सवाल जवाब करती रही। इस दौरान वह पति जिंदा है या मर गया, इस बात की पुष्टि करने के लिए पति के साथ भी बात करती रही। पति मोबाइल पर हैलो बोलता, तब अन्नू कॉल ड्रॉप कर अमजद को पुनः कॉल करती थी।

खबर प्रकाशन के बाद सुलझी हत्या की गुत्थी

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह बुधवार को खारुन नदी में अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने की खबर हरिभूमि ने प्रकाशित की थी। इसके बाद विधाता के परिचित तथा उनके परिजनों ने लाश की शिनाख्त की। उसके बाद पुलिस को मामले की विवेचना में मदद मिली।

सप्लीमेंट्स फूड की...

द्वारा पूरक पोषण फूड का उपयोग किया जाता है। सप्लीमेंट्स फूड कारगर होते हैं अथवा नहीं, उनमें किसी तरह के अमानक तत्व तो नहीं है, जो शरीर में विपरीत असर की वजह बन सकते हैं। स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा के दौरान दिए गए निर्देश के आधार पर फूड सप्लीमेंट, न्यूट्रास्यूटिकल, मल्टीविटामिन, बेबी फूड को जांच के दायरे में रखा गया है।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, तहसील मंदिर हसौद, जिला रायपुर

आम सूचना

जारी दिनांक 01/06/2024

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री मंदाकिनी बाई पिता/पति गोपाल सिंह निवासी मंदिर हसौद छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम मंदिर हसौद पटवारी हल्का नंबर 22 राजस्व निरीक्षक मंडल मंदिर हसौद स्थित भूमि खसरा 1425/15 रकबा 0.011 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 05/01/2024 के परिपालन में दिनांक 18/06/2024 को समय 02 बजे पश्चात मेरे दल द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 22 के मंदिर हसौद में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मंदिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद

निधन

शारदा दत्त त्रिपाठी

रायपुर। ललिता चौक बढ़ाईपारा निवासी वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट शारदा दत्त त्रिपाठी (60) का 16 जून को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 17 जून को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे पं. चंद्रशेखर दत्त के ज्येष्ठ पुत्र, राहुल, रोहित के पिता और पं. पीएस त्रिपाठी, योगेश, सनत दत्त त्रिपाठी के बड़े भाई थे।

लक्ष्मी देवी पुरोहित

रायपुर। विवेकानंद नगर निवासी लक्ष्मी देवी पुरोहित (94) का 16 जून को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे पुष्टिकर समाज के ट्रस्टी स्व. दाऊलाल पुरोहित की धर्मपत्नी, ट्रस्ट के सदस्य अशोक पुरोहित की माता और वरिष्ठ पत्रकार अनिल पुरोहित की बड़ी मां थीं। उनके निधन पर पूर्व विधायक व वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के पूर्व अध्यक्ष अरुण वोरा, वरिष्ठ पत्रकार गिरीश वोरा, वरिष्ठ अधिवक्ता रामनारायण व्यास, बिलासपुर हाईकोर्ट के न्यायाधीश नरेंद्र व्यास ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

ज्यादातर फेक करेंसी दूसरे प्रदेशों में खपाने का काम कर रहे थे जालसाज

फेक करेंसी, नौकरी का झांसा, जालसाजों ने 25 हजार से ज्यादा लोगों को फंसाकर ठगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

कॉल सेंटर की आड़ में नौकरी लगाने का झांसा देने तथा नकली नोट छापने वाले जिस रैकेट का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है, उनके बारे में कई अहम जानकारियां मिली हैं। पुलिस के मुताबिक, जालसाज फेक करेंसी छापकर दूसरे प्रदेशों में चलाने तथा बेचने का काम करते थे। साथ ही स्थानीय स्तर पर जालसाज शराब खरीदने तथा भीड़भाड़ वाले इलाकों में फेक करेंसी खपाने का काम करते थे।

गौरतलब है कि पुलिस ने राजधानी के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में नौकरी लगाने के नाम पर कॉल सेंटर चलाने वाले रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए आठ जालसाजों को गिरफ्तार किया है। जालसाज पिछले चार साल से ठगी का कारोबार संचालित कर रहे थे। पुलिस ने जालसाजों के कब्जे से 25 रजिस्टर जब्त किए हैं। पुलिस ने इन रजिस्टरों की पड़ताल की तो पता चला कि जालसाजों के संपर्क में रहने वाले हिंदी भाषी राज्यों के अलावा नार्थ- ईस्ट राज्यों के बेरोजगार संपर्क में थे। पुलिस को मिली जानकारी के मुताबिक जालसाजों ने कॉल सेंटर की आड़ में नौकरी लगाने के नाम पर 25 हजार से ज्यादा लोगों के साथ ठगी की है।

आसपास के राज्यों की पुलिस को देंगे सूचना

क्राइम डीएसपी संजय सिंह के मुताबिक जालसाजों ने जिन राज्यों के बेरोजगारों के साथ घटना को अंजाम दिया है, उसकी डिटेल तैयार की जा रही है। इसके बाद संबंधित राज्यों की पुलिस को स्थानीय पुलिस सूचना देगी। साथ ही उन राज्यों में ठगी की शिकायत दर्ज कराने वाले पीड़ितों के बारे में जानकारी हासिल कर पुलिस उनसे आवश्यक डाक्यूमेंट मंगाएगी।

अलीबाबा साइट से चाइना से वाटर मार्क मंगाकर बना रहे थे नकली नोट

फर्जी वेब सीरीज देख खोला 'फर्जी' कॉल सेंटर

नकली नोट बनाए, आठ राज्यों में ठगी की दुकान

कर रहे जांच

प्रारंभिक पड़ताल में जालसाजों द्वारा 25 हजार से ज्यादा लोगों के साथ ठगी करने की जानकारी मिली है। साथ ही नकली नोट बनाकर खपाए गए हैं। आशंका है कि उन लोगों ने नकली नोट शराब दुकान में खपाने के साथ पड़ोसी राज्यों में भेजे हैं। इसकी जांच की जा रही है।

- संजय सिंह
डीएसपी क्राइम

पड़ोसी राज्यों में खपाए नकली नोट

पुलिस के अनुसार ठगी तथा नकली नोट बनाने के आरोप में पकड़ा गया मास्टर खेत्रो तांडी ने अपने साथियों के साथ नकली नोट बनाने वाटरमार्क खरीदने तथा नोट प्रिंटिंग के लिए कागज खरीदने यू-ट्यूब तथा गूगल से जानकारी हासिल की। इसके बाद उसने अलीबाबा ऑनलाइन साइट से चाइना से वाटरमार्क मंगाया। खेत्रो को राज्य में नकली नोट खपाने पर पकड़े जाने की आशंका थी, इसलिए उसने अलग-अलग माध्यम से नकली नोट दूसरे प्रदेशों में खपाने का काम किया। रायपुर में उसने अपने कुछ चुने हुए साथियों के साथ शराब दुकान से नकली नोट से शराब खरीदी की।

रिसॉर्ट में विला किराए पर लेकर सजाई जुए की महफिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ पुलिस ने दी दबिश, जुआरियों से पौने सात लाख बरामद

अभनपुर थाना क्षेत्र में शनिवार-रविवार दरमियानी रात पुलिस ने एक रिसॉर्ट में छापा मारकर नौ जुआरियों को गिरफ्तार किया है। इन जुआरियों से पुलिस ने छह लाख 81 हजार रुपए जब्त किए। पुलिस के मुताबिक, कोलार स्थित कल्पवृक्ष रिसॉर्ट में हाईप्रोफाइल जुआ खेलने की सूचना मिलने पर दबिश दी गई, जहां रिसॉर्ट के अंदर विला में गुढ़ियारी निवासी विनय जैन, हरीश माहेश्वरी, दुर्ग चरोदा निवासी रमेश आहूजा, मोवा निवासी प्रदीप कुमार जगपाल, राज कुकरेजा, विक्की पंजवानी, जनसन देवानी, अत्कथ जाम्पा, भिलाई निवासी राम मेहवानी को जुआ खेलते गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार रिसॉर्ट में हर सप्ताह वीक एंड में जुआ की महफिल सजाने की जानकारी मिल रही थी। जुआरियों को दबोचने के लिए पुलिस ने मुखबिर तैयार किए। शनिवार को रिसॉर्ट में रायपुर से पहुंची गाड़ियों का काफिला देखने के बाद मुखबिर ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने सिविल ड्रेस में विला को चारों तरफ से घेरकर जुआरियों को जुआ खेलते गिरफ्तार किया।

...इसलिए रिसॉर्ट में जुआ खेलने पहुंचे

पुलिस के अनुसार होटल या अन्य किसी जगह जुआरियों को जुआ खेलते पकड़े जाने का भय था। इस वजह से जुआरियों ने शहर से दूर रिसॉर्ट में विला किराए पर लिया और जुआ खेलने के लिए पहुंचे थे। पुलिस के मुताबिक जुआ खेलने रिसॉर्ट के विला को एक रात के लिए 10 से 15 हजार रुपए किराए पर लिया गया था।

पेज 11 के शेष

बकरीद पर सजा...

खुद कुर्बानी देने के लिए बचाया है। बाजार में बकरे को तीन लाख तक खरीदने के लिए कई लोग तैयार थे। इस बार सोनू सबसे ज्यादा वजन वाले बकरे के रूप में 1 लाख 11 हजार में बिका, वहीं सुल्तान की कीमत शौकीनों ने 70 हजार रुपए चुकाई।

टेकरी पर मीटिंग...

आड़ लेकर गोली चला रहे थे, इसी दौरान साथी नितेश को गोली लगी और वह शहीद हो गया। कैलाश गंभीर रूप से जख्मी हुआ और पेड़ से टकराकर एक गोली मेरे पैर में घुस गई। तब तक साथी जवानों ने अपना काम पूरा किया और सभी नक्सलियों को मार गिराया।

शहीद जवान के ...

हमने नक्सलियों के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज कर दी है और हम निर्णायक लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे जवानों की शहादत बेकार नहीं जाएगी और हम क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए संकल्पित हैं। मुख्यमंत्री ने इस दौरान शहीद जवान नितेश एक्का के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

नक्सली मुठभेड़ में हुए शहीद: गौरतलब है कि एसटीएफ के शहीद आरक्षक नितेश एक्का जशपुर जिले के रहने वाले थे। 12 जून को नारायणपुर जिले के फरसबेड़ा-धुरबेड़ा क्षेत्र में डीआरजी, एसटीएफ और बीएसएफ का संयुक्त बल नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना हुआ था। अभियान के दौरान 15 जून को नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी और जवाबी कार्यवाही में 8 माओवादियों को मार गिराया गया। इस दौरान सुरक्षाबल के दो जवान घायल हुए और एक जवान शहीद हो गया।

प्रेमी से पति की...

के साथ अक्सर विवाद होता रहता था। आए दिन विवाद से तंग आकर मीना ने अमजद के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की योजना बनाई।

अमजद से किराए पर लेता था ऑटो

पुलिस के अनुसार अमजद का ऑटो किराए पर देने का कारोबार है। विधाता भी अमजद की ऑटो किराए पर लेकर चलाता था।इस दौरान विधाता की अमजद के साथ जान-पहचान हो गई और वह विधाता के घर आना-जाना शुरू कर दिया। इस दौरान विधाता की पत्नी से अमजद का प्रेम प्रसंग स्थापित हो गया। पुलिस के अनुसार अन्नू भी अमजद से ऑटो किराए पर लेकर चलाने का काम करता था।

हत्या होने तक मोबाइल से संपर्क में रही पत्नी

पुलिस के अनुसार अमजद, अन्नू के साथ मिलकर विधाता को जब शराब पिला रहा था, तब भी विधाता की पत्नी अमजद के साथ मोबाइल से संपर्क करते रही और बार-बार अमजद से हत्या हुई या नहीं, इस बात को लेकर सवाल जवाब करती रही। इस दौरान वह पति जिंदा है या मर गया, इस बात की पुष्टि करने के लिए पति के साथ भी बात करती रही। पति मोबाइल पर हैलो बोलता, तब अन्नू कॉल ड्रॉप कर अमजद को पुनः कॉल करती थी।

खबर प्रकाशन के बाद सुलझी हत्या की गुत्थी

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह बुधवार को खारुन नदी में अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने की खबर हरिभूमि ने प्रकाशित की थी। इसके बाद विधाता के परिचित तथा उनके परिजनों ने लाश की शिनाख्त की। उसके बाद पुलिस को मामले की विवेचना में मदद मिली।

सप्लीमेंट्स फूड की...

द्वारा पूरक पोषण फूड का उपयोग किया जाता है। सप्लीमेंट्स फूड कारगर होते हैं अथवा नहीं, उनमें किसी तरह के अमानक तत्व तो नहीं है, जो शरीर में विपरीत असर की वजह बन सकते हैं। स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा के दौरान दिए गए निर्देश के आधार पर फूड सप्लीमेंट, न्यूट्रास्यूटिकल, मल्टीविटामिन, बेबी फूड को जांच के दायरे में रखा गया है।

यहां से लिए गए सैंपल

रायपुर- लक्ष्मी मेडिकल हॉल, न्यू राजेंद्र नगर, फ्रेंक रॉस फार्मेसी, श्री मेडिकल स्टोर्स टिकरापारा अरिहंत फार्मा, फरिश्ता कांप्लेक्स।
दुर्ग- जिंदत्त मेडिकल एजेंसीज, टीवीएस फार्मास्युटीकल्स एंड मार्केटिंग, शास्त्री नगर, मनोहर मेडिकोज सेक्टर -9, टीसी मेडिकोज।
बिलासपुर- पंजाब मेडिकल स्टोर्स, गणपति मेडिकल तोरवा, देवांगन मेडिकल मोपका, सुन ट्रेडर्स तेलीपारा, भूमिका मेडिकल स्टोर्स जूनी लाइन।
सरगुजा- कश्मीरा मेडिकल एंड जनरल एजेंसी दर्रीपारा, नेताजी फार्मा, श्याम मेडिकल स्टोर्स।
बस्तर- दुल्हानी मेडिकल एजेंसी, शक्ति सेल्स, रॉयल मेडिकल जगदलपुर।

चकल्लस

वक्त का तकाजा...

छत्तीसगढ़ में अमीर को गरीब बनाने का खेल पिछली सरकार में खेला गया। मामले में राशन दुकान के संचालकों पर एफआईआर दर्ज कराकर विभाग अपना पीठ ठोंक रहा है। राशन दुकान संचालक अकेले ये काम नहीं कर सकते, इसमें प्राथमिक उपभोक्ता भंडार के अध्यक्ष भी शामिल होते हैं। बिलासपुर में हुए इस खेल में एक बड़े कांग्रेस नेता का नाम एफआईआर में नहीं होने से वहां के भाजपा पदाधिकारी अब यह कहने लगे हैं कि राजनीति में ऐसा होता आया है कि अपने बिरादरी के लोगों को छोड़ सब पर कार्रवाई की जाती है। कहीं इसी के चलते तो उन्हें छोड़ नहीं दिया गया है? वे यहां तक कहते हैं कि राजनीति में कोई स्थायी दुश्मन नहीं होता, कुछ को तो वक्त का तकाजा देख छोड़ा जाता है।

दौड़ने लगीं फाइलें...

राज्य में लगातार चुनाव के चलते सरकारी कामकाज ठप रहा। विधानसभा चुनाव के दो माह बाद आम चुनाव आ गया। तीन माह तक आचार संहिता के चलते मंत्रियों को चुनाव में भिड़ना पड़ा। उन सभी को विभाग जब तक समझ में आते, फाइलें डंप होती चली गईं। अब एक-एक कर सबको देख रहे हैं। जो जानकार मंत्री थे, वे चुनाव के पहले ही अपना काम निकालने में सफल रहे। नए-नवेले मंत्रियों को समझ में आता, उसके पहले ही चुनाव की छाया पड़ गई। अब वे तेजी से दौड़ने लगे हैं और उन मामलों को पहले देख रहे हैं, जहां से कुछ अच्छा निकलने की संभावना है।

जंगलराज पर सख्ती...

वन विभाग में लंबे अरसे से जंगलराज चल रहा था। इस पर काबू पाने की हर कोशिश फेल साबित हो रही थी। कहावत है, जंगल में शेर की धमक से जंगल के बाकी वन्यजीव सहम जाते हैं। कमोबेश उसी तर्ज पर वन विभाग में एक ऐसी महिला अफसर की पोस्टिंग की गई है, जिनसे जंगलराज चलाने वाले अफसर सहमे हुए हैं। महिला अफसर सुबह साढ़े नौ बजे कार्यालय पहुंच जाती हैं और अफसरों को सीधे निर्देश देकर विभाग से संबंधित फाइल तलब कर सवाल-जवाब करने लगती हैं। संतुष्ट न होने पर वे अफसरों से सीधे सवाल-जवाब कर फटकार लगाने से भी नहीं चूक रही हैं। इसके चलते जंगल विभाग में जंगलराज चलाने वाले अफसर परेशान हैं।

मेंटेनेंस का लोचा ...

कहावत है, हाथी खरीदना आसान है, पर उसे पालना कठिन। ये कहावत व्हाइट हाउस वाले अफसरों पर फिट बैठ रही है। हुआ यूं कि तेलीबांधा तालाब से कमाई करने बाहर की एजेंसी को ठेका दिया, तामझाम के साथ यह दावा किया गया कि जैविक तरीके से तालाब सफाई का यह अनूठा प्रोजेक्ट रहेगा, जिसमें तालाब का जलस्तर बढ़ेगा, पानी की गुणवत्ता भी सुधरेगी। ठेका एजेंसी जब तक काम करती रही, तालाब का पानी साफ रहा। अब उसका मेंटेनेंस इतना भरी पड़ रहा है कि मेंटेनेंस करने वाली एजेंसी ढूंढने से नहीं मिल रही। ऐसे में बड़े साहब का माथा भन्नाया, कलीग से पूछा, इस प्राब्लम का कोई हल ढूंढ कर दो। कलीग परेशान, रातों-रात कहां से एजेंसी लाएं। सो बैठे ठाले आयडिया दे डाला, साहब ब्लीचिग पावडर और चूने की बोरी रखवा दो, टंटा खत्म।

छह माह का चक्कर

निकाय चुनाव को लेकर हल्ला मचा हुआ है। अपोजिशन वाले पानी के संकट से लेकर बारिश में जलभराव को लेकर नगाड़ा बजाने उतारू हैं। वहीं शहरी सरकार के बड़का नेता ने अपने साथियों को पहले से इत्तला दे रखी है कि छह माह तक धरना प्रदर्शन के लिए तैयार रहें। ये बात अलग है कि जिन्हें यह फरमान जारी हुआ, उनमें से आधे से ज्यादा मेंबरों का ध्यान एमएलए के टिकट पर लगा है। बहती गंगा में हाथ धोने का मौका छह माह के डंडा-झंडा से ज्यादा बेहतर मानकर चल रहे।

????...यह गोपनीय है...

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा एजेंसी यानी एनटीए की चर्चा इस वक्त उफान पर है। नीट में गड़बड़ी का मामला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया है। लेकिन यह खबर छत्तीसगढ़ से है। एजेंसी से सूचना के अधिकार में पूछा गया कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भवन मालिकों से एमओयू किस आधार पर किया गया, जानकारी दें।एजेंसी ने साफ कह दिया कि न, यह तो बहुत ही गोपनीय है। जानकारी साझा नहीं की जा सकती। कितने में किया, किस आधार पर एमओयू हुआ और कैसे हुआ? यह एजेंसी ने नहीं बताया। खबरी बता रहा था कि एमओयू में भी झोल है। बस वही कारण है कि एनटीए ने जानकारी नहीं दी है। पाक साफ होती तो अब तक दे चुकी होती। भवन के एमओयू की जानकारी कैसे गोपनीय?

बस-ना...

यह बस-ना वही बसना है जो सरायपाली के पास है। वहां धान खरीदी में जमकर घालमेल हुआ। करीब पांच करोड़ रुपए का। रकबे में हेरफेर करके धान बेच दिया। शिकायत हुई, जांच भी हो गई और एफआईआर भी। गिरफ्तारी की तैयारी हो गई लेकिन पेंच फंस गया। आरोपियों को लेकर एक नेताजी रायपुर पहुंच गए और बड़े-बड़े लोगों के साथ जोरदार फोटो सेशन कराया गया। बस उसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। खबरी बता रहा था कि उसके बाद पुलिस कार्रवाई के सवाल पर कह देती है, बस-ना। इससे ज्यादा हम कुछ नहीं कर सकते।

काम तो जुगाड़ ही आएगी...

एनएसयूआई को नया प्रदेशाध्यक्ष मिलने की अटकलें जोरों पर हैं। अभी वाले साहब पुराने वाले के डमी कैंडिडेट के रुप में बैठाए गए हैं। विधानसभा के बाद लोकसभा चुनाव में भी पार्टी का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। इसकी गाज जल्द ही गिरने वाली है। कई ऐसे भी हैं, जिन्हें बस यूं ही पद बांट दिए गए हैं। इनके भी नए सिरे से नाप-जोख की तैयारी है। हलचल शुरु होते ही पुराने चावल भी रेस में दोबारा आ गए हैं। कुछ तो खुद को सिर्फ एक्टिव दिखाने के लिए ही भाग-दौड़ कर रहे हैं और कुछ निश्चिंत होकर बैठे हैं। क्योंकि चाहे कोई कितना भी योग्य हो, आखिरी में काम तो...जुगाड़ ही आएगी।

बड़े कांटें हैं इस राह में ...

प्रदेश में कई ऐसे वरिष्ठ प्राध्यापक हैं, जो वर्षों से पदोन्नत होकर प्राचार्य बनने की राह देख रहे हैं। अभी तक प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है और इंतजार करते-करते नया सत्र आ चुका है। इन सबके बीच राजधानी के शीर्ष तीन कन्या महाविद्यालयों में से एक में प्राचार्य की नव-नियुक्ति हुई है। ये वही साहब हैं जिनके माशिम में जलवे हुआ करते थे, लेकिन पुष्पारानी के आते ही साहब को कुर्सी खाली करनी पड़ी। अब जहां गए हैं, वहां भी साहब का सामना एक मैडम से ही है। क्या है कि मैडम कई सालों से प्राचार्य बनने के ख्वाह संजोए हुए थी। सपना टूट गया तो राहों में कांटे बिछाने की तैयारी चल रही है। लेकिन चिंता की कोई बात तो है ही नहीं, साहब भी पूरे खिलाड़ी हैं।

प्रमोशन या डिमोशन...

सियासत में रातों-रात किस्मत बदलने की पूरी गुंजाइश होती है। किसी भी नेता की तकदीर कभी भी चमक जाती है या वे खुद अंधेरे में चले जाते हैं। पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव और हाल में हुए लोकसभा चुनाव में यही देखने में आया है। कई नेता जो लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बन गए थे, उन्हें विधानसभा लड़ाकर विधायक बना दिया गया। वे राज्य सरकार में मंत्री भी नहीं बन पाए। लोकसभा चुनाव आया तो मंत्री को लड़ाकर सांसद बना दिया गया, वे केंद्र में मंत्री बनने की उम्मीद लिए बैठे रह गए, पर नहीं बन पाए। अब सांसद बनकर रह गए हैं।

सब फिर उम्मीद से...

पहले विधानसभा और फिर लोकसभा...टिकट नहीं मिला नए कोई बात नहीं। राजनीति है उम्मीद नहीं खोनी चाहिए। महापौर और नगरपालिकाओं के अध्यक्षों के टिकट बंटने वाले हैं। टिकट से वंचित रहने वाले अभी से सक्रिय हो गए हैं। खबरी बता रहा था, कई नेता दस साल पहले महापौर और अध्यक्ष बनने के लिए पार्षद का चुनाव भी नहीं लड़े थे, लेकिन इनको टिकट नहीं मिला। ये नेता उम्मीद में थे कि पांच साल बाद प्रयास करेंगे, लेकिन प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद महापौर और अध्यक्ष का चुनाव अप्रत्यक्ष हो गया तो इनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया। अब ऐसे नेता फिर से सक्रिय हो गए हैं। साथ ही दूसरे दलों से भाजपा में आए नेता भी उम्मीद में है कि उनको भी नगरीय निकाय चुनावों में टिकट मिल जाएगा।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा, गिरीश केशरवानी, रुचि वर्मा।

कॉलेजों ने घटाई सीटें, क्योंकि अब प्रथम वर्ष नहीं होगा कोई फेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

आज से प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में नवीन शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो जाएगी। इसके साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी लागू कर दी जाएगी। इस बदलाव का एक अन्य असर महाविद्यालयों की सीटों पर हो रहा है। कई कॉलेज राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों को देखते हुए अपनी सीटें घटा रहे हैं।

दरअसल एनईपी के अंतर्गत परीक्षाएं वार्षिक रूप से ना होकर सेमेस्टर प्रणाली से होंगी। प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर में यदि छात्र अनुत्तीर्ण हो जाते हैं, तब भी उन्हें तृतीय सत्र में प्रवेश दिया जाएगा। तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर की पढ़ाई जारी रखने के साथ ही छात्रों को पिछली कक्षाओं के बैक पेपर भी क्लियर करने होंगे। इसके बाद उन्हें पांचवें सेमेस्टर में प्रवेश मिलेगा। महाविद्यालयों में सामान्यतः प्रथम वर्ष के परिणाम 50 से 60 प्रतिशत ही होते हैं। इस तरह से द्वितीय वर्ष में जाने वाले छात्रों की संख्या लगभग आधी हो जाती है। महाविद्यालयों में द्वितीय वर्ष के लिए कक्षाएं भी इसी अनुपात में आकार में छोटी होती हैं। अब प्रथम वर्ष में अनुत्तीणर्ण होने पर भी छात्रों को रोके जाने का प्रावधान नहीं रह गया है तो द्वितीय वर्ष में भी बड़ी संख्या में भी छात्र संख्या थोक में रहेगी।

इसलिए प्रथम वर्ष में ही कई महाविद्यालय घटी हुई सीटों पर प्रवेश दे रहे हैं ताकि जब वे छात्र द्वितीय व तृतीय वर्ष में पहुंचे तो उनके समक्ष बैठक की दिक्कत ना हो। कई कॉलेजों ने इसकी घोषणा भी कर दी है। राजधानी के मंहत कॉलेज में बीकॉम की 600 सीटें हैं, लेकिन प्रवेश सिर्फ 400 पर होंगे। कम संसाधन वाले अन्य महाविद्यालय भी ऊहा-पोह की स्थिति में हैं।

इन्हें द्वितीय-तृतीय वर्ष बैठाने जगह नहीं

विकल्प नहीं

महाविद्यालयों के पास इसके अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है। जो इस सत्र में सीटें नहीं घटा रहे हैं, उन्हें अगले सत्र में सीटें घटानी होंगी अथवा नए कक्ष निर्मित करने होंगे, जो अपेक्षाकृत मुश्किल है।

-डॉ. देवाशीष मुखर्जी, सचिव, प्राइवेट कॉलेज एसोसिएशन

पहली सूची अगले सप्ताह

रविवि द्वारा महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए अधिसूचना पिछले सप्ताह ही जारी कर दी गई थी। इसके मुताबिक, कॉलेजों में प्रवेश के लिए आवेदन 17 जून से शुरू होंगे। आज शासकीय अवकाश है, लेकिन आवेदन ऑनलाइन किए जाएंगे, इसलिए पोर्टल खोल दिए जाएंगे। कॉलेजों में प्रवेश के लिए पहली लिस्ट 26 जून को जारी की जाएगी। इसके बाद दूसरी लिस्ट 9 जुलाई तथा तीसरी और अंतिम मेरिट लिस्ट 19 जून को जारी होगी। रविवि के पोर्टल पर जाकर छात्र अपनी प्राथमिकता के आधार पर किन्हीं पांच कॉलेजों का चुनाव कर सकते हैं।

भोपाल और जबलपुर जाने समता-अमरकंटक पर बढ़ा यात्रियों का बोझ

ट्रेनें रद्द, मुश्किल हुआ सफर, हर कोच ठसाठस, सीट के लिए संघर्ष के हालात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि लाइव

पटरियों के कामकाज के कारण बीते दिनों रेलवे ने भोपाल, इंदौर, रीवा और जबलपुर जाने वाली सीधी ट्रेनों को रद्द किया था, जिसके बाद यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। जोन से मध्यप्रदेश व लखनऊ शहर तक जाने वाली 18 ट्रेनों को रेलवे ने 20 जून तक कैंसिल कर दिया है, जिसका असर रविवार को भी दिखाई दिया। अमरकंटक, समता एक्सप्रेस और दुर्ग-अंबिकापुर एक्सप्रेस में जनरल व स्लीपर के साथ एसी कोच में भी यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस, भोपाल एक्सप्रेस और रीवा और बरौनी एक्सप्रेस के रद्द होने से अब यात्रियों के पास भोपाल, इंदौर और जगदलपुर जाने यात्रियों के पास अंतिम विकल्प यही ट्रेन है। इस वजह से इस ट्रेन के सभी कोच में सप्ताहभर में वेटिंग 100 से पार हो चुकी है। रविवार को हरिभूमि टीम ने रायपुर से एमपी की ओर जाने वाली ट्रेनों का जायजा लिया। ट्रेन आने से पहले ही प्लेटफार्म यात्रियों से ठसाठस था।

जब समता एक्सप्रेस दोपहर को और शाम को अमरकंटक एक्सप्रेस प्लेटफार्म पर पहुंची तो यात्रियों के बीच ट्रेन में चढ़ने और सीट तक पहुंचने की होड़ मच गई। भीड़ अधिक होने से कई यात्री जनरल कोच में भी नहीं चढ़ पाए। ट्रेन में पैर रखने की जगह कई यात्रियों को नहीं मिल सकी। रायपुर से भोपाल तक सफर यात्रियों को खड़े होकर तय करना पड़ रहा है। एक ही ट्रेन होने से अब बड़ी संख्या में यात्री नागपुर से जगदलपुर व इंदौर के लिए कनेक्टिंग ट्रेन का टिकट बनवा रहे हैं, ताकि भीड़ से बच सकें। रायपुर मंडल से हर दिन 1500 से अधिक यात्री भोपाल, कटनी और इंदौर व उज्जैन के लिए सफर करते हैं, लेकिन 4 मुख्य ट्रेनों के रद्द होने के बाद यात्री अब एक ही ट्रेन के भरोसे हैं।

प्लेटफार्म और ट्रेन यात्रियों से ठसाठस

रेलवे ने कटनी मार्ग की ट्रेनों को रद्द कर दिया है, लेकिन इसका असर अन्य ट्रेनों पर दिखाई दे रहा है। शाम के वक्त एक छोर से दूसरी छोर तक केवल यात्रियों के सिर ही नजर आते रहे। प्लेटफार्म पर यात्रियों की भारी भीड़ रही। जैसे ही ट्रेन ने प्लेटफार्म पर प्रवेश किया, यात्रियों में हलचल मच गई। ट्रेन के रुकते ही जनरल कोच के यात्री सीट पकड़ने अपना सामान लेकर एक-दूसरे को धक्का देते ट्रेन में सवार होने की कोशिश करने लगे। 2 मिनट के भीतर प्लेटफार्म में खड़ी काफी भीड़ ट्रेन के भीतर चली गई। ट्रेन रवाना होने के बाद प्लेटफार्म पूरी तरह वीरान हो गया।

एक ट्रेन में सफर करने हजारों की भीड़, प्लेटफार्म पर पैर रखने की जगह नहीं

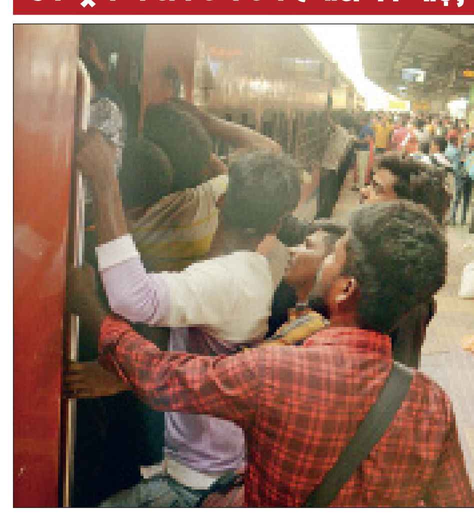

केस 1 हर ट्रेन में हजार से अधिक यात्री

रविवार को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक मुंबई और हावड़ा के बीच 8 ट्रेनें रवाना हुईं। अमरकंटक, समरसता, समता, जनशताब्दी, पोरबंदर, संपर्क क्रांति, गोंडवाना ट्रेन में 1000 से 1500 यात्रियों ने सफर किया। प्लेटफार्म पर जो भी ट्रेन पहुंचती, उसमें से उतरने वालों से दोगुने यात्री चढ़ने की कोशिश करते नजर आते। कई बार यात्रियों को ट्रेन से उतरने के लिए भी खासी मशक्कत करनी पड़ी। ऐसे में यात्री समय पर चढ़ भी नहीं पाए और ट्रेन रवाना हो गई।

केस 2 एक सीट पर सात-आठ यात्री

ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों का दबाव एक्सप्रेस के जनरल कोच पर सबसे अधिक पड़ा है। कोच में यात्रियों की भीड़ इतनी हो चुकी है कि हरेक सीट पर सात-आठ यात्री बैठकर सफर कर रहे हैं, जबकि आमतौर पर लंबी सीट पर 4 यात्री बैठते हैं। समता एक्सप्रेस में सीट पर जगह नहीं मिलने पर यात्री कपड़े की मदद से झूला बनाकर उसमें सफर करते नजर आए। स्थिति यह है कि हर स्टेशन में यात्रियों की संख्या बढ़ती जाती है, लेकिन उतरने वाले गिनती के होते हैं।

केस 3 नहीं मिली खड़े होने की जगह

सामान्य दिनों में भोपाल जाने के लिए रायपुर से 2 और बिलासपुर से 4 ट्रेनें होती हैं। अब समता एक्सप्रेस और अमरकंटक ही संचालित की जा रही हैं। इस वजह से ट्रेनों में भीड़ अधिक रही। जरनल कोच में भीड़ इतनी अधिक रही कि यात्रियों पैर रखने की भी जगह नहीं मिल पा रही थी। समता एक्सप्रेस में भारी भीड़ और वेटिंग देखते हुए कई यात्री अब नागपुर से भोपाल जाने कनेक्टिंग ट्रेन का टिकट बनवा रहे हैं। ट्रैवल्स एजेंसी के मुताबिक सप्ताहभर तक समता और अमरकंटक में भीड़ अधिक रहेगी।

- अभी नगरीय प्रशासन विभाग कर रहा दोनों योजनाओं का संचालन

धनवंतरी और मोबाइल मेडिकल यूनिट होंगे स्वास्थ्य विभाग के हवाले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आम जनता को सस्ते में दवा उपलब्ध कराने और निशुल्क पैथालॉजी सहित अन्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराने संचालित धन्वंतरी मेडिकल और मोबाइल मेडिकल यूनिट का संचालन स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से किया जा सकता है। विभागीय स्तर पर आए इस सुझाव के आधार पर हेल्थ अफसरों में विभागीय चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा वर्ष 2020 से स्लम बस्ती में लोगों को बीपी-शुगर सहित अन्य जांच की सुविधा देने के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट का संचालन शुरू किया गया था। इसके बाद वर्ष 2021 से 50 से 70 प्रतिशत सस्ती दवा उपलब्ध कराने धन्वंतरी योजना संचालित की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि दवाएं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित हैं और एमएमयू में चिकित्सकों की उपलब्धता भी उनकी जिम्मेदारी है। आने वाले दिनों में दोनों योजनाओं में सुविधाओं का विस्तार करने की तैयारी है, जिसे देखते हुए इसका संचालन सीधे स्वास्थ्य विभाग को दिए जाने पर विचार किया जा रहा है। पिछले दिनों समीक्षा बैठक में आए इस सुझाव के बाद अफसर दोनों योजनाओं पर विचार-मंथन में जुट गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में अंतिम फैसला शासन स्तर पर किया जाएगा।

अल्टीमेटम दे चुके

आंबेडकर अस्पताल में पैट सीटी मशीन के उपयोग पर किसी तरह का निर्णायक फैसला करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया जा चुका है। इसके अलावा वहां पुरानी हो चुकी ऐसी मशीन, जो खराब होने की स्थिति में आ चुकी है, उन्हें सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि वहां की उपचार सुविधाओं को जल्दी ही अपडेट किया जाएगा।

चर्चा के बाद करेंगे फैसला

धन्वंतरी एवं एमएमयू के संबंध में पिछले दिनों बैठक के दौरान सुझाव मिला था। दोनों योजनाएं स्वास्थ्य से संबंधित हैं। इनके संचालन को लेकर नगरीय प्रशासन मंत्री और अधिकारियों से चर्चा के बाद फैसला किया जाएगा। राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए बेहतर कदम उठाए जा रहे हैं।

- श्याम बिहारी जायसवाल, स्वास्थ्य मंत्री, छग

- सौंदर्यीकरण का काम जारी, लाइट लगाने फाउंडेशन तैयार

बघवा तालाब में इतनी गंदगी कि साफ करने में लग गए सात माह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

माधवराव सप्रे वार्ड स्थित रायपुरा के बघवा तालाब के गहरीकरण का काम अनुबंधित एजेंसी ने पूरा कर लिया है। तालाब के चारों ओर सुरक्षा के लिहाज से रिटेनिंग वॉल बनाई गई है। साथ ही लोगों के आने-जाने के लिए पाथवे बनाने का काम इन दिनों चल रहा है। 15वें वित्त आयोग मद से प्राप्त 2.50 करोड़ की राशि से इस तालाब का गहरीकरण और सौंदर्यीकरण कर इसे सुंदर स्वरूप दिया जा रहा है। वहीं विप्रनगर के बाईं ओर तथा यादवपारा के पास पांच हजार वर्गफीट खाली जमीन बगीचे के लिए चिन्हांकित की गई है।

नगर निगम ने ढाई दशक बाद रायपुरा के बघवा तालाब की सुध ली है। 7 माह तक तालाब की सफाई कर भारी मात्रा में गोबर और गंदगी बाहर निकालकर तालाब गहरीकरण का कार्य कराया गया है। 35 एकड़ में फैले इस तालाब से रायपुरा की आधी बस्ती सहित यादव पारा के लोग इसका उपयोग एक अरसे से निस्तारी के लिए करते आ रहे हैं। तालाब के आसपास की डेयरी के मवेशी जाने से पानी के भीतर भारी मात्रा में गोबर और गंदगी जमा थी, जिसे मशीन लगाकर तालाब से निकाला गया।

बारिश के समय करेंगे पौधारोपण : बघवा तालाब की रिटेनिंग वॉल बनाने का काम पूरा होने के बाद अब वहां आने-जाने वाले लोगों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए पाथवे बनाया जा रहा है। साथ ही तालाब के पास बगीचा बनाने यादव पारा के पास पांच हजार वर्गफीट जमीन को चिन्हांकित किया गया है। बारिश के समय यहां पौधारोपण किया जाएगा। कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा ने बताया, बगीचे में आने-जाने वाले लोगों की फिटनेस को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग तरह की एक्सरसाइज मशीनें लगाई जाएंगी। सीनियर सिटीजन के लिए अलग से वेटिंग हॉल बनाया जाएगा।

ढाई करोड़ के 32 ई-टायलेट कबाड़, दो कंपनियां छोड़कर भागीं, अब री-टेंडर

- दोबारा मरम्मत के लिए इस्टीमेट बनवा रहा निगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के आधा दर्जन सार्वजनिक और भीड़भाड़ वाले इलाकों में रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा बनवाए गए 32 ई-टायलेट कबाड़ हो गए। देखरेख के अभाव में असामाजिक तत्वों ने कहीं ई-टायलेट में लगाई गई महंगी स्टील प्लेट पार कर दी तो कहीं स्टील से बना दरवाजा काटकर ले गए। ई-टॉयलेट में प्रयुक्त महंगे स्टील के पार्ट्स भी गायब हैं। अब इनकी दोबारा मरम्मत कराने नगर निगम ने निजी एजेंसी से ई-टॉयलेट की जांच कर इसमें लगने वाले अनुमानित खर्च का इस्टीमेट बनाने का जिम्मा दिया है। इस्टीमेट की स्वीकृति के बाद एजेंसी तय करने ऑनलाइन टेंडर किया जाएगा।

रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा 4 साल पूर्व शहर के 6 प्रमुख स्थानों पर 32 ई-टायलेट बनवाए गए। इनमें एम्स हास्पिटल के सामने, सरस्वती नगर थाने के पास, पं. रामदयाल तिवारी स्कूल के बाजू वाली जगह, मेकाहारा के सामने, आनंद नगर केनाल रोड और कटोरा तालाब के सामने ई-टायलेट की सुविधा शुरू की गई थी। इन टॉयलेट के निर्माण और मेंटेनेंस के लिए हैदराबाद की एक कंपनी से अनुबंध किया गया। अनुबंधित कंपनी से इसके लिए 72 लाख रुपए सुरक्षानिधि के रूप में जमा कराए गए, पर ई-टॉयलेट निर्माण के कुछ महीने बाद अनुबंधित कंपनी नदारद हो गई, जबकि अनुबंध की शर्त अनुसार उसे 5 साल तक ई-टॉयलेट का मेंटेनेंस व संचालन करना था। इधर रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने अनुबंधित कंपनी द्वारा काम बीच में छोड़े जाने की स्थिति में 72 लाख की सुरक्षा निधि को राजसात कर लिया। कंपनी के यहां से भाग जाने के बाद 2021 तक ई-टॉयलेट का मेंटेनेंस नहीं हो पाया। वर्ष 2022 में रायपुर स्मार्ट सिटी ने फिर से इन ई-टॉयलेट के मेंटेनेंस के लिए रायपुर की होप फॉर ह्यूमिनिटी एजेंसी से अनुबंध किया।

प्रोजेक्ट निगम को हैंडओवर : कबाड़ हो चुके ई-टॉयलेट के 32 यूनिट वाले प्रोजेक्ट को रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने 2 माह पूर्व नगर निगम के स्वच्छता विभाग को हैंडओवर कर दिया है। अब ई-टॉयलेट की मरम्मत, देखरेख और संचालन के लिए नगर निगम नई एजेंसी तय करेगा।

जल्द करेंगे टेंडर

ई-टॉयलेट की मरम्मत और संचालन के लिए एजेंसी तय करने जल्द ऑनलाइन टेंडर किया जाएगा। अनुबंध में 3 साल तक ई-टॉयलेट की मरम्मत और संचालन की शर्त शामिल रहेगी।

- रघुमणि प्रधान, नोडल अधिकारी, स्वच्छ भारत मिशन, ननि रायपुर

आवश्यकता है
हरिभूमि एवं inh

मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव
सीनियर एक्जीक्यूटिव - 01
एक्जीक्यूटिव - 02
(अनुभवी को प्राथमिकता)
संपूर्ण बायोडाटा के साथ संपर्क करें
मार्केटिंग विभाग
9303508130
हरिभूमि कार्यालय, धमतरी रोड, टिकरापारा, रायपुर
inhnewshr@gmail.com

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 17 जून 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

आराधना

डीडी नगर में बनेगा संत भवन समाज सदस्य करेंगे सहयोग

रायपुर। डीडी नगर स्थित श्री वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर में रविवार सुबह 8 बजे श्री वासुपुज्य विधान का आयोजन किया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष नरेश सिंघई ने बताया, आचार्य श्री के आशीर्वाद से डीडी नगर में संत भवन बनवाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस उपलक्ष्य में ब्रह्मचारी अरुण व ब्रह्मचारी अंकित के कुशल निर्देशन में श्री वासुपूज्य विधान का आयोजन किया गया। इसमें सर्वप्रथम वासुपुज्य भगवान का अभिषेक किया गया। प्रथम अभिषेक प्रमुख इन्द्र द्वारा किया गया, जिसमें दीपक जैन, दर्शील जैन, अभिषेक रैना जैन, आशीष श्रद्धा जैन शामिल रहे। शांति धारा करने का सौभाग्य प्रवीण संघी एवं छक्की लाल कस्तूरचंद परिवार को मिला। तत्पश्चात वासुपुज्य विधान आरंभ किया गया।

मंत्रों के मध्य चढ़ाया गया अंतिम अर्घ्य

विधान में अष्ट द्रव्य से निर्मित कुल 72 अर्घ्य चढ़ाए गए। स्वाहा मंत्र उच्चारण कर अंतिम अर्घ्य चढ़ाकर विसर्जन किया गया। वासुपुज्य भगवान के जयकारों से पूरा जिनालय गुंजायमान हो गया। विधान का संगीतमय मंच का संचालन राजेश रज्जन जैन द्वारा किया गया। संत भवन निर्माण के लिए अभिषेक मीनाक्षी जैन द्वारा एक स्तंभ लिया गया। संजय नायक, अनिल कुमार, संजय जैन आदि ने भी निर्माण के लिए विशेष सहयोग प्रदान किया। वात्सल्य भोज के पुण्यार्जक अनिल व संजय रहे।

कैंपस इवेंट

रोचक गेम्स के जरिए शिक्षकों ने समझा टीमवर्क का महत्व

रायपुर। किसी काम को सुनियोजित ढंग से और टीम वर्क के साथ किया जाए, तो सफलता अवश्य मिलती है। कई बार हमारी टीमें छोटे-छोटे मनमुटाव को लेकर जाने-अनजाने में एक-दूसरे की प्रतिद्वंदी बन जाती हैं। ये बातें विशेषज्ञों ने शिक्षकों से कही। संत ज्ञानेश्वर स्कूल में नए शिक्षा सत्र 2024-25 के शुभारंभ पूर्व 'टीम बिल्डिंग सेशन' के दौरान खेल-खेल में शिक्षकों ने टीमवर्क का महत्व समझा। इस दौरान महाराष्ट्र मंडल की सह सचिव गीता दलाल और महिला प्रमुख विशाखा तोपखानेवाले ने स्कूलों की शिक्षिकाओं को रोचक गेम्स के माध्यम से एकजुटता का महत्व समझाया। विभिन्न खेलों में श्रेष्ठ प्रदर्शन, नेतृत्व और निर्णय क्षमता जैसे गुणों के आधार पर श्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में भारती सहगल, वंदना बिसेन और शिखा सूद को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

मिलकर बाल्टी तक पहुंचाई गेंद

पांच-पांच शिक्षिकाओं का अलग-अलग पांच ग्रुप बनाया गया। एक बाल्टी से दूसरी बाल्टी तक बॉल को पहुंचाना था। बॉल को फोल्ड किए हुए पेपर के सहारे से उठाना था। टीम के पहले सदस्य ने बॉल उठाई, फिर उसे दूसरे सदस्य को ट्रांसफर किया। इस खेल के माध्यम से शिक्षिकाओं को टीम वर्क के महत्व को बताया गया। गीता दलाल ने बताया कि शिक्षिकाओं के बीच गेस द क्वेश्चंस, पास बॉल विथ पेपर, बलून फोड़ना, कैच द बॉल इन दुपट्टा जैसे गेम्स करवाए गए। उन्होंने बताया कि शिक्षिकाओं के बीच गेम्स करवाने का एक ही मकसद था कि इस शिक्षण सत्र में सभी शिक्षक एक गेम की भांति टीम वर्क के साथ बच्चों को पढ़ाएं और अपने खुद के बनाए हुए लक्ष्य को पूरा करें।

सिटी इवेंट

नए सत्र में बच्चों को राहत देने विद्यालय में अब वाटर फिल्टर

रायपुर। महेश नवमी एवं गंगा दशहरा के पर्व पर सर्वमंगल फाउंडेशन सेवाभावी सामाजिक संस्था द्वारा टिकरापारा संजय नगर स्थित शासकीय स्कूल में वॉटर फिल्टर लगाया गया। इस मौके पर संस्था की अध्यक्ष अनिता दुबे ने बताया कि इस नेक कार्य में चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंड्रस्ट्रीज के कोषाध्यक्ष जितेंद्र गोलछा, सर्वमंगल के सभी सहयोगी, समाजसेवी, व्यवसायी मुकेश जैन, ललित सेठिया, मीनाक्षी तिवारी, राजश्री वर्मा, सपना द्विवेदी, शिखा दुबे, आरती दुबे, राजकुमारी गुप्ता, जमुना सांडिया, प्रभा सिरमौर, सावित्री पांडे, लीनू मिश्रा, रचिता रॉय, प्रज्ञा श्रीवास्तव का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में भाजपा नेता सुभाष तिवारी, पार्षद निशा देवेंद्र यादव सहित स्कूल के समस्त शिक्षक उपस्थित थे।

रोमांचक मैच में टीम रायपुर रायनोस ने सीसीपीएल का खिताब किया अपने नाम, 30 हजार दर्शकों ने उठाया लुत्फ

रायपुर रायनोस ने मैच संग जीता दिल हर चौके-छक्के पर स्टेडियम में जश्न

शहीद वीरनारायण सिंह स्टेडियम में रविवार का दिन क्रिकेट प्रेमियों के नाम रहा। छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग अर्थात सीसीपीएल का फाइनल महामुकाबला देखने 30 हजार से भी अधिक दर्शकों की भीड़ स्टेडियम में उमड़ी। फाइनल मैच बिलासपुर के बुल्स और रायपुर के रायनोस बीच खेला गया, जिसमें टीम रायपुर रायनोस ने मैच के साथ दर्शकों का भी दिल जीत

रायपुर। शाम 6 बजे से ही दर्शक स्टेडियम पहुंचने लगे थे। शाम 7 बजे एक बार फिर स्टेडियम आकर्षक लाइट से रौशन हो गया। लीग में अपने शहर गांव, जिले के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए दर्शक टीम जर्सी और फोटो व पोस्टर में संदेशा लिखकर पहुंचे थे। फाइनल को लेकर बच्चे व युवा समेत सभी वर्ग के लोगों को क्रिकेट को लेकर उत्साह देखा गया। स्टेडियम में एंट्री फ्री होने से कई युवाओं का समूह अभनपुर, राजिम, आरंग, महासमुंद समेत धरसीवा व धमतरी से मैच एंजॉय करने पहुंचे। स्टेडियम में पहली से लेकर अंतिम बॉल तक रोमांचक देखने को मिला। हर चौके-छक्के और खिलाड़ियों के विकेट अपील पर दर्शकों ने जमकर शोर मचाया। स्टेडियम में दर्शकों ने हर बॉल पर जश्न मनाया। लीग के स्टॉर खिलाड़ी अमरदीप खैरे को लेकर दर्शकों में दीवानगी पूरे मैच में दिखाई दी। मैच में दोनों ने खिलाड़ियों ने अपनी आतिशी बल्लेबाजी से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

दर्शकों ने कहा-हर साल होना चाहिए सीसीपीएल लीग, एंट्री फ्री होने से हर वर्ग के पहुंचे लोग

क्रिकेट प्रेमियों के लिए उत्सव

स्टेडियम में देर रात तक सीसीपीएल का मैच देखने को स्टेडियम में हजारों की भीड़ मौजूद रही। मैच के बाद दर्शकों ने कहा कि हर साल सीसीपीएल मैच होना चाहिए। इस तरह के लीग मैच क्रिकेट प्रेमियों के उत्सव के जैसे होते हैं। युवाओं ने पूरे लीग में आईपीएल जैसा रोमांच क्रिकेट में देखने को मिला। दर्शकों ने कहा, टीवी या फिर मोबाइल में क्रिकेट देखने से कहीं ज्यादा आनंद स्टेडियम में देखने पर आता है। एंट्री फ्री होने से बड़ी संख्या में लोग पहली बार स्टेडियम में मैच का आनंद उठा सके।

जीत के बाद आतिशबाजी का दौर

मैच में जीत के बाद स्टेडियम में जमकर आतिशबाजी हुई। पूरा आसमान पटाखों की रोशनी से जगमगा उठा। एक घंटे तक भव्य आतिशबाजी चलती रही। इस दौरान स्टेडियम में खिलाड़ी और दर्शक टीम के जश्न में डूबे रहे। खिलाड़ियों को खिताब मिलने तक दर्शक मौजूद रहे। इस दौरान टीम के खिलाड़ियों ने मैच के बाद अपने परिजनों से स्टेडियम में मुलाकात कर जीत का जश्न मनाया। हार के बाद भी परिजन हौसला बढ़ाते हुए दिखाई दिए। मैच खत्म होने के बाद खिलाड़ियों ने दर्शकों के साथ फोटो खिंचवाई।

छत्तीसगढ़ी गानों पर जमकर झूमे दर्शक

स्टेडियम में पहुंची 30 हजार दर्शकों की भीड़ में रायपुर रायनोस के फैंस अधिक रहे। टीम रायपुर ने भी गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी के जरिए दर्शकों का उत्साह पूरे मैच में बनाए रखा। इस बीच चारों तरफ लगे स्पीकर में छत्तीसगढ़ गानों पर दर्शकों ने अपनी जगह पर जमकर डांस करते नजर आए। हर चौके और छक्के पर आतिशबाजी होती रही। इसके बाद डीजे में हिंदी व छत्तीसगढ़ी गाना शुरू होता। इस दौरान हर दर्शन खुशी में झूमते रहे।

जीत के बाद स्टेडियम में घुसे दर्शक

16वें ओवर में जब रायपुर को जीत के लिए मात्र 2 रन चाहिए थे तभी पूरे स्टेडियम में रायपुर रायनोस की गूंज सुनाई देने लगी। जीत के बाद दर्शकों ने अपनी जगह से खड़े होकर तालियों के साथ जीत का जश्न मनाया। इस दौरान जब पूरी टीम जीत के जश्न में डूबी हुई थी तभी दर्शक भी जश्न में शामिल होने स्टेडियम में घूस गए। हालांकि पुलिस ने तत्काल सभी दर्शकों को स्टेडियम से बाहर किया।

प्रारंभिक परीक्षा में परंपरागत सवालों की अधिकता, पैटर्न में अधिक प्रयोग नहीं

कार्नर न्यूज

यूपीएससी ने पूछा-किसने दी पुर्तगालियों को भटकल में किला बनाने की अनुमति? कुंभ मेला यूनेस्को की किस सूची में?

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा रविवार को प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन किया गया। इसके लिए राजधानी रायपुर में भी केंद्र निर्धारित रहे। परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों तथा विशेषज्ञों के अनुसार, प्रश्न संतुलित रहे। इसमें सभी तरह के सवाल पूछे गए थे। सिलेबस के सभी टॉपिक को शामिल किया गया था। सर्वाधिक प्रश्न भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान संबंधित रहे। इसके अंतर्गत पूछे गए लोकसभा के सवाल सामयिक रहे। वेनेजुएला के अपने आर्थिक संकट से उबरने के कारण, डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, यूनियन बजट, द इंडिया वे और व्हॉई भारत मैटर्स के लेखक, परिसीमन आयोग, संविधान संशोधन, संविधान सभा के अस्थायी सभापति, संसद में धन विधेयक जैसे सवाल पूछे गए। लोकसभा से जुड़े सवाल भी प्रश्नपत्र का हिस्सा रहे।

जानिए किस टॉपिक से कितने सवाल

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान - 20 प्रश्न
भूगोल - 18 प्रश्न
अंतर्राष्ट्रीय संबंध - 14 प्रश्न
पर्यावरण - 13 प्रश्न
अर्थव्यवस्था - 11 प्रश्न
विज्ञान एवं तकनीक - 11 प्रश्न
प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय इतिहास - 4 प्रश्न
कला एवं संस्कृति - 3 प्रश्न
आधुनिक भारत का इतिहास - 1 प्रश्न
विविध (किताबें,रक्षा,अन्य) - 5 प्रश्न

व्यापम ने जारी किए शिक्षक पात्रता परीक्षा के प्रवेश पत्र

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा के प्रवेशपत्र जारी कर दिए गए हैं। व्यापम द्वारा यह परीक्षा 23 जून को दो पालियों में ली जाएगी। इसके लिए मंडल की आधिकारिक वेबसाइट के साथ ही चिप्स की वेबसाइट पर भी प्रवेशपत्र अपलोड किए गए हैं। इसके अलावा अभ्यर्थियों को एसएमएस के जरिए लिंक भी भेजा गया है। इसमें क्लिक करके भी अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। अन्य किसी तरह की सहायता के लिए व्यापम ने आधिकारिक वेबसाइट पर हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं।

एक्सपर्ट व्यू : प्रश्नों का बेहतर संतुलन

यूपीएससी तथा पीएससी कोचिंग विशेषज्ञ व एक निजी कोचिंग अकेडमी के संचालक अंकित अग्रवाल के अनुसार, यूपीएससी द्वारा पूछे गए सवाल परंपरागत रहे। खास बात यह रही कि सभी टॉपिक को कवर किया गया। प्रश्नपत्र औसत और संतुलित रहा।

दिव्यांगों के लिए दानी गर्ल्स स्कूल में केंद्र

दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए विशेष परीक्षा केंद्र दानी गर्ल्स स्कूल में बनाया गया था। उनके लिए सभी तरह की सुविधाएं रखी गई थीं, ताकि परीक्षा के दौरान उन्हें किसी तरह की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़े। नियमानुसार अतिरिक्त समय भी दिया गया। यहां 39 दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए केंद्र बनाया गया था। इसमें से 23 ने ही परीक्षा दिलाई।

शांति सरोवर में योग महोत्सव

योग दिवस के अवसर पर 16 जून से विधानसभा रोड स्थित शांति सरोवर में योग महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका समापन 21 जून को किया जाएगा। योग प्रशिक्षक ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी ने बताया, योग दिवस के अवसर पर दो पाली में कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। इस दौरान सुबह 7 बजे और शाम 5 बजे से योग प्रशिक्षण दिया जाएगा। जहां शहरवासी और संस्था के सदस्य मौजूद रहेंगे, उन्हें राजयोग के अनुसार ध्यान कराया जाएगा। जिससे सकारात्मक भाव,तनाव दूर, एकाग्रता बनी रहती है। योग महोत्सव के दौरान मुख्य अतिथि के रुप में महिला बाल विकास व समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विशिष्ट अतिथि के रुप में गृह सचिव एवं अग्निशमन आपदा प्रबन्धन के महानिदेशक अरूण देव गौतम उपस्थित रहेंगे।

समाज इवेंट

माध्यम भाषा बने छत्तीसगढ़ी प्राथमिक कक्षा में हो शामिल

रायपुर। वैभव प्रकाशन और 'अगास दिया' परिवार के संयुक्त तत्वावधान में पत्रकार गुलाल वर्मा की छत्तीसगढ़ी पुस्तक 'का कहिबे' का विमोचन हुआ। इस अवसर पर माध्यम भाषा छत्तीसगढ़ी विषय पर संगोष्ठी भी हुई। इसमें मुख्य अतिथि डॉ.परदेशीराम वर्मा ने कहा, छत्तीसगढ़ी के साथ निरंतर अन्याय हो रहा है और यह आज तक माध्यम भाषा नहीं बन पाई है। अध्यक्षता वरिष्ठ छत्तीसगढ़ी सेवी नंदकिशोर शुक्ल ने की। गुलाल वर्मा का सम्मान करते हुए उनकी पुस्तक के विमोचन के बाद अतिथियों ने कहा कि यह कृति छत्तीसगढ़ी गद्य को समृद्ध करती है। लेखक ने अपने समय के सभी सरोकारों पर चिंतन के साथ कार्य किया है। संयोजन करते हुए डॉ.सुधीर शर्मा ने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद भी छत्तीसगढ़ी को प्राथमिक स्तर पर माध्यम भाषा नहीं बनाया गया है। छत्तीसगढ़ी छात्र संगठन के अध्यक्ष ऋतुराज साहू ने कहा, छत्तीसगढ़ी राज्य की अस्मिता है इसके लिए समाज को आगे आना होगा।

मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करना मौलिक अधिकार

अरूण कुमार निगम ने कहा, पुस्तक कालजयी होती हैं और अनुसंधान के लिए बरसों तक काम आती है। गुलाल वर्मा ने सामयिक विषयों को चुनकर चिंतनपरक निबंध लिखा है। छत्तीसगढ़ी के अध्ययन में यह सहायक है। डॉ.परदेशीराम वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोग अपनी भाषा, संस्कृति और अस्मिता के प्रति उदासीन हैं, इसीलिए छत्तीसगढ़ी को सम्मान नहीं मिल पा रहा है। छत्तीसगढ़ी को माध्यम भाषा बनाने के लिए संघर्षरत नंदकिशोर शुक्ल ने कहा, अपनी मातृभाषा पर जब तक हमें भीतर से गर्व नहीं होगा, तब तक छत्तीसगढ़ी को सम्मान नहीं मिलेगा। मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करना बालक का मौलिक अधिकार है।

सिटी लाइव

मॉडल ब्लड बैंक में 30 यूनिट रक्त संग्रह, आगे आई संस्था

रायपुर। विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में 16 जून को सामाजिक संस्था प्रमा फाउंडेशन द्वारा रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। समाजसेवी संस्था प्रमा फाउंडेशन पिछले 11 वर्षों से प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन कर रही है। इसी क्रम में संस्था ने रविवार को मॉडल ब्लड बैंक आंबेडकर हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया। संस्था सचिव राज कुमार मिश्रा ने बताया, प्रमा फाउंडेशन ने मॉडल ब्लड बैंक के सहयोग से 30 यूनिट रक्त का संग्रहण किया एवं संस्था के सभी सदस्यों ने अपना समय और सहयोग प्रदान किया। मुख्य अतिथि सेंट्रल जीएसटी के अधीक्षक एम.राजीव रहे। आयोजन को सफल बनाने में मुख्य रूप से गोयल टीएमटी का विशेष सहयोग रहा। संस्था की ओर से गुंजन सिंह, मनीष धुरंधर, उषा साहू, राजकुमार मिश्रा, दुर्गेश निषाद, चेतन सिंह राजपूत, गुलशन वर्मा, नयन वर्मा, भूपेंद्र नायक, मयंक दुबे व अन्य उपस्थित रहे।

स्वच्छता के लिए श्रमदान करेंगे कृषि विवि के छात्र

17 जून को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा श्रमदान कर कृषि विवि से सटे एक जोन को स्वच्छ बनाए रखने का निर्णय लिया है। इसमें सभी स्वयंसेवकों के साथ अधिकारीगण, प्राध्यापक और परिसर के समस्त छात्र-छात्राएं भी शामिल होंगे। विवि प्रबंधन ने कहा, यह नगर निगम और पीडब्लूडी विभाग के अधीन है, फिर भी विश्वविद्यालय परिसर से सटा होने के कारण हमारे राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने ठाना है कि इस स्थान को स्वच्छ बनाया जाएगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिए अध्ययनरत विद्यार्थी एक घंटे का श्रमदान करेंगे।

आराधना

नई पीढ़ी को सुसंस्कृत करना ऊर्जावान बनाना जिम्मेदारी

रायपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में पांच दिवसीय आवासीय व्यक्तित्व निर्माण युवा शिविर का आयोजन किया गया। गायत्री प्रज्ञापीठ संतोषी नगर एवं कांदूल के ग्रामवासियों के सहयोग से 12 से 16 जून तक इसका आयोजन हुआ। समापन रविवार को गंगा दशहरा एवं गायत्री जयंती के दिन यज्ञ व पूर्णाहुति के साथ हुआ। शिविर का शुभारंभ विधायक मोतीलाल साहू के मुख्य आतिथ्य में क्षेत्रवासियों, जनप्रतिनिधि व गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि शिविर के माध्यम से गायत्री परिवार द्वारा श्रेष्ठ समाज एवं सुनहरे राष्ट्र के निर्माण के लिए नई पीढ़ी के बच्चों को सुसंस्कृत, सभ्य व शालीन, चरित्रवान, ऊर्जावान, ज्ञानवान बनाया जा रहा है। यह अभिनंनदीय एवं वंदनीय है।

गठित करेंगे युवा मंडल

शिविर में बुद्धि बढ़ाने की वैज्ञानिक विधि, व्यक्तित्व निर्माण के सूत्र, स्वस्थ रहने के उपाय, कर्म फल के सिद्धांत, आदर्श दिनचर्या आदि विषयों पर चिंतन हुआ। आदर्श युवा बनाने के लिए 5 दिन तक अनवरत प्रशिक्षण दिया गया। समापन के पूर्व व्यसन मुक्ति के लिए भव्य रैली का आयोजन किया गया। सुबह-सुबह समापन के अवसर पर 44 बच्चों ने दीक्षा संस्कार लिया। 6 ने बाल संस्कार केंद्र संचालित करने, 6 ने युवा मंडल गठन एवं 18 बच्चों ने मांसाहार का त्याग करने का संकल्प लिया। गायत्री परिवार जिला समंवयक लच्छू राम निषाद एवं शिविर आयोजक रामकृष्ण साहू ने बताया, समापन के अवसर पर पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ, विविध संस्कार एवं दीक्षा संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व सरपंच जितेंद्र धुरंधर, सीपी साहू, तिलेश्वरी धुरंधर, अश्वन लहरे, पुरुषोत्तम यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

● अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व तैयारी प्रारंभ, जानिए कहां हो सकते हैं शामिल...

शहरवासियों को योग में पारंगत करने संस्थाओं ने उठाया बीड़ा

भारत सरकार द्वारा विश्व योग दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष नए थीम के साथ प्रशिक्षण दिया जाता है। इस वर्ष 'स्वयं एवं समाज के लिए योग' थीम निर्धारित की गई है। इस दौरान लोगों को योग के साथ रोजाना योग करने के लिए जागरुक किया जाएगा। छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय में 21 जून शुक्रवार को सामूहिक रुप से योग किया जाना है।

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए योगाभ्यास जारी है। इसके अलावा इस दिन शहर के विभिन्न स्थानों में सैकड़ों की संख्या में उपस्थित शहरवासियों द्वारा योग किया जाएगा। जिसके लिए प्रशिक्षकों द्वारा तैयारी की जा रही है। शहर स्थित महाविद्याल, गार्डन और संस्थानों में योग अभ्यास जारी है। इस दौरान प्राणायाम, आसन और ध्यान कराया जाएगा, साथ ही इसके विभिन्न लाभ से मौजूदा लोगों को अवगत कराया जाएगा। जानिए योग दिवस के पूर्व आप शहर के किन स्थानों में जाकर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

विशेषज्ञ बता रहे आसन की सूक्ष्मतम बारीकियां, ध्यान के गुर

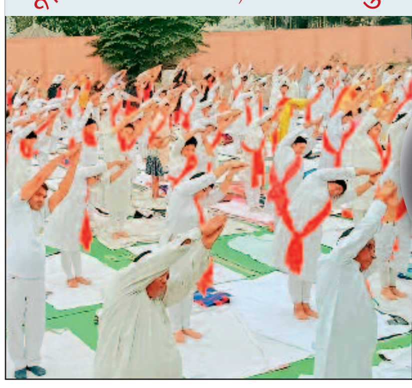

शासकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एक सप्ताह पूर्व प्रारंभ हुआ प्रशिक्षण

योग विभाग से सुनिता जैन ने बताया, विश्व योग दिवस से पूर्व 7 जून से प्रशिक्षण शिविर संचालित किया जा रहा है। इस दौरान 21 जून के लिए नालंदा परिसर में विद्यार्थियों को 20 जून तक प्रशिक्षित किया जाएगा। सुबह 7-8 बजे महाविद्यालय परिसर में सामूहिक रुप से योग दिवस का आयोजन किया गया है। इस दौरान स्मृता जैन प्रशिक्षक के रुप से मौजूद रहेंगी।

साइंस कॉलेज : आयुर्वेदिक योग प्रणाली का प्रशिक्षण

शा. नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय परिसर में आयोजन कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय उपस्थित रहेंगे। जहां आयोग के मुख्य योग प्रशिक्षक छविराम साहू और ज्योती साहू सुबह 7 से 8 प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षक ज्योती साहू ने बताया, इस वर्ष योग के दौरान 'नशा मुक्ति' का संदेश दिया जाएगा। आयुर्वेदिक योग प्रणाली के साथ 3 से 4 श्रेणियों में योग प्रशिक्षण दिया जाएगा। बीते साल 2023 में योग दिवस के अवसर पर 21 हजार लोगों की उपस्थिति देखने को मिली थी, इस वर्ष भी लगभग 15 हजार लोगों की उपस्थित होंगे।

विप्र कॉलेज : तनाव मुक्ति के लिए योग

महाविद्यालय की प्रशिक्षक डॉ. रंजना मिश्रा ने बताया, योग दिवस से पूर्व 30 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसका समापन 21 जून को होगा, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में योगाचार्य संजय शर्मा उपस्थित रहेंगे। कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्राणायाम और ध्यान कराया जाएगा, इस दौरान तनाव से मुक्ति के लिए योग कराया जाएगा। साथ ही अतिथि योगाचार्य द्वारा योग संबंधित विभिन्न जानकारी भी दी जाएगी।

ऊर्जा और रचनात्मकता आधारित योग

भैरव नगर अर्जुन एन्क्लेव सोसाइटी में योग दिवस पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाना है। जिसका शुरुआत 19 जून से किया जाना है, जिसकी प्रदर्शनी 21 जून को सुबह 6-7 होगा। प्रशिक्षक पीयूष जैन ने बताया,व्यक्ति के होलिस्टिक डेवलपमेंट पर संस्थान कार्य करती है। जिसे पंच मुद्रा के अनुसार तैयार किया गया है। इसमें पावर, एनर्जी, एक्टिविटी, क्रिएटिविटी, इवैल्युएशन शामिल है। इस अवसर पर टेक्निक्स के साथ योग कराया जाएगा, जिमसें ध्यान सबसे महत्वपूर्ण है। अरहम योग क्रिया के आधार पर प्रशिक्षण किया जाता है। इसमें अरहम का अर्थ- एक्टिवेशन, रिलैक्सेशन, हीलिंग, एक्टिवेशन, मोटिवेशन है। तीन दिवसीय शिविर के दौरान इन प्रक्रिया में योग प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ऑक्सीजोन : प्रातः 5.50 से 7.50 तक सामूहिक योग

विश्व योग दिवस के अवसर पर संस्थान द्वारा शहर स्थित ऑक्सीजोन में सामूहिक योगाभ्यास कराया जाएगा। सुबह 5:50 से 7:50 तक समय निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षक मुकेश सोनी व राजेश अग्रवाल ने बताया, इस वर्ष प्रशिक्षण के दौरान 500 से अधिक लोगों की मौजूदगी रहेंगी। जहां संस्था के अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न आसन, प्राणायाम और ध्यान कराया जाएगा। इस अवसर पर ग्रीवा चालन, स्कंधचालन, कटिचालन, ताड़ासन , वृक्षासन, पादासन, भद्रासन, तितली आसन, वक्रासन, उस्टासन, हास्यासन , सेतुबंध आसन, सवआसन, अनलोम-विलोम, शीतली आसन और ध्यान कराया जाएगा।

नशा मुक्ति और कुरीतियों का निवारण करने यज्ञ में दी गईं विशेष आहुतियां

रायपुर। माता गायत्री की पूजा करने से ध्यान और एकाग्रता बढ़ती है। जिन लोगों में एकाग्रता की कमी हो, उन्हें सूर्योदय के समय सूर्य को जल अर्पित करने के बाद गायात्री मंत्र का जाप करना चाहिए। माता गायत्री से ही वेदों की उत्पत्ति हुई है, इसलिए इस देवी को वेदों की माता भी कहा जाता है। ये बातें गायत्री शक्तिपीठ समता कॉलोनी के परिव्राजकों ने कही। गायत्री जयंती के पावन अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ क्षमता कॉलोनी रायपुर में गायत्री परिवार ट्रस्ट द्वारा मां गायत्री की विशेष पूजा-अर्चना के साथ ही शक्तिपीठ में यज्ञ कर आहुतियां दी गईं।

इस दौरान यज्ञ में कुरीतियों के निवारण, नशा मुक्ति, स्वास्थ्य लाभ सहित अन्य सभी मुद्दों पर आहुतियां दी गईं। गायत्री शक्तिपीठ के ट्रस्टी गण ने जानकारी दी की गायत्री जयंती के अवसर पर मंत्र जाप आदि नहीं कर सकते हैं तो मां गायत्री की पूजा करें। उसके बाद गायत्री चालीसा का पाठ करें। इसमें मां गायत्री की महिमा का वर्णन किया गया है।

गायत्री जयंती : शक्तिपीठ में संस्कार

यज्ञोपवीत संस्कार में भिक्षाम देही की परंपरा

गायत्री जयंती के पावन अवसर पर कई विभिन्न तरह के संस्कार भी कराए गए। इसमें प्रमुख रूप से यज्ञोपवीत, पुंसवन, अन्नप्राशन व विद्यारंभ संस्कार शामिल रहे, जिसमें भक्तों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं यज्ञ पवित्र संस्कार होने के बाद संस्कार धारण करने वाले बच्चों ने अपने माता-पिता के साथ वहां उपस्थित अन्य परिजनों से भिक्षा की परंपरा को पूर्ण किया। उन्होंने बताया, शक्तिपीठ में प्रतिदिन सुबह यज्ञ हवन और संस्कार कराए जाते हैं। किसी को जन्मदिन मनाना हो किसी को अन्नप्राशन करना हो या यज्ञोपवीत कराना हो तो अन्य समय में भी शक्तिपीठ में आकर करा सकते हैं।

खारून को ओढ़ाई 131 मीटर लंबी साड़ी

रायपुर। दशमी तिथि को हस्त नक्षत्र में गंगा का धरती में आगमन हुआ था। इस दिन सुबह गंगा स्नान करने से दस गुना पुण्य प्राप्त होता है। इसके चलते सुबह आस-पास के लोगों ने खारून में स्नान करने के बाद महादेव घाट स्थित हटकेश्वर नाथ महादेव को जल अर्पित किया। शाम 5 बजे से यहां उत्सव जैसा माहौल बना। नदी के तट पर मंजू करवा संगठन खारुन मैया को चुनरी ओढ़ाने के लिए जुटी। रंग-बिरंगी साड़ियों को जोड़कर उसे 131 मीटर का बंडल बनाकर पहुंची थी। भक्तिभाव से पूजा करने के बाद मैया को एक किनारे से दूसरे किनारे तक चुनड़ी ओढ़ाई गई। नाव के सहारे साड़ी ओढ़ाने का नजारा खास था। इसके लिए महिलाओं ने नाव का सहारा लिया।

महिलाओं ने तट पर की पूजा

गंगा दशमी : महादेव घाट पर स्नान के लिए पहुंचे लोग

महिलाओं ने भक्तिमय माहौल में संगठन की सभी सहयोगियों के साथ खारून तट पर पूजा सामग्री व आरती की किताब के साथ पहुंची थीं। इसमें नीलू, बबिता, अनिता, उर्मिला, लता, बरसा सहित अन्य महिलाओं ने साथ मिलकर गंगा के तट गंगा दशमी बनाई। कई धर्मप्रेमियों ने सुबह आस्था की डुबकी लगाने के बाद धूप, दीप व नैवेद्य अर्पित किया। कई लोगों ने पुरोहितों के मार्गदर्शन में मनोकामना पूर्ण होने पर अभिषेक भी किया।

निर्जला एकादशी कल, सुबह से देर रात्रि तक शुभ संयोग

स्वाति नक्षत्र और विशाखा नक्षत्र में बन रहे शिव, त्रिपुष्कर व स्वाति योग, इन सिद्ध योगों में व्रत प्रदान करेगा भौतिक सुख

कार्नर न्यूज

रायपुर। निर्जला एकादशी का व्रत 18 जून को किया जाएगा। ये व्रत जल और अन्न का त्याग कर किया जाता है। ज्येष्ठ माह में गंगा दशहरा के एक दिन बाद निर्जला एकादशी आती है। निर्जला एकादशी पर बन रहे शुभ संयोग कई राशियों के जीवन में सुख के पल लाने वाले हैं। शास्त्रों में निर्जला एकादशी को मोक्ष प्रदान करने वाला व्रत माना गया है। इसके फलस्वरूप व्यक्ति समस्त भौतिक सुखों को प्राप्त कर मृत्यु के बाद स्वर्ग में स्थान पाता है।

निर्जला एकादशी पर इस बार स्वाति नक्षत्र और विशाखा नक्षत्र में एक साथ 3 शुभ योग बन रहे हैं। रात 9 बजकर 39 मिनट तक शिव योग बना है। उसके बाद सिद्ध योग बना है। सिद्ध योग में व्रत करना घर में धन वृद्धि करवाने वाला माना गया है। इसके अलावा दोपहर में 3 बजकर 56 मिनट से लेकर अगले दिन सुबह 5 बजकर 24 मिनट तक त्रिपुष्कर योग बना है। इन शुभ योग में निर्जला एकादशी का व्रत करने से परम पुण्य फल की प्राप्ति होती है। जो लोग धन की कमी से जूझ रहे हैं उनके लिए निर्जला एकादशी का व्रत बहुत ही शुभफलदायी माना गया है।

इन वस्तुओं का होगा दान

श्री सुरेश्वर महादेव पीठ के स्वामी राजेश्वरानंद ने बताया, शास्त्रों में बताया जाता है कि इस दिन सुयोग्य ब्राह्मण को जूते दान देना बेहद शुभ माना जाता है। इस दिन जूते दान करने वाला व्यक्ति सोने के विमान में बैठकर स्वर्ग लोक को जाता है। इस व्रत में अन्न दान करने का, छाता दान करने का, बिस्तर दान करने और वस्त्र दान करने का महत्व बताया गया है। मान्यता है कि निर्जला एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को परम पुण्य की प्राप्ति होती है। इस दिन चने और गुड़ का दान करना बहुत शुभ माना जाता है। इस दिन जूते, छाता और पंखा करना शुभ माना जाता है। आम और खरबूज दान करना परम पुण्यदायी होता है।

जानिए कब, कौन से योग

- त्रिपुष्कर योग : 18 जून दोपहर 3.56 से 19 जून सुबह 5.24 तक
- शिव योग: सुबह से लेकर रात 9 बजकर 39 मिनट तक
- स्वाति नक्षत्र : दोपहर 3 बजकर 56 मिनट तक

शीतलता प्रदान करने वाली वस्तुओं का दान

हिंदू पंचांग के अनुसार साल में 24 एकादशी होती हैं और सभी का विशेष धार्मिक महत्व होता है। एकादशी तिथि पर प्रमुख तौर पर नारायण यानी भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। इन सभी एकादशी में से कुछ का महत्व बेहद खास होता है और इन्हीं में से एक है निर्जला एकादशी। मान्यता है कि निर्जला एकादशी पर व्रत करने वाले व्रती को साल की बाकी 23 एकादशियों का व्रत करने के बराबर पुण्य की प्राप्ति होती है। ग्रीष्म काल में पड़ने वाली निर्जला एकादशी पर दान करने का सर्वाधिक महत्व होता है। यह व्रत ज्येष्ठ मास में पड़ने के कारण शीतलता प्रदान करने वाली वस्तुओं का दान करना सबसे शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस महीने में तेज गर्मी पड़ती है और सूर्य अपनी पूर्ण गर्मी पर होता है। इसलिए निर्जला एकादशी पर गर्मी से राहत दिलाने वाली वस्तुओं का दान करना सबसे शुभ माना जाता है।

स्पोर्ट्स

एब्स रोलर का इस्तेमाल करते इन छोटी-छोटी बातों का रखें ख्याल

एब्स रोलर का इस्तेमाल पेट की मसल्स को मजबूत और टोन करने के लिए किया जाता है। हालांकि, जब आप इसका इस्तेमाल कर रहे हैं तो आपको कुछ छोटी-छोटी बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। अपने वर्कआउट के दौरान हम सभी कई तरह के इक्विपमेंट्स का इस्तेमाल करते हैं। ये इक्विपमेंट या प्रॉप्स हमारे वर्कआउट को और भी अधिक बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इन्हीं में से एक है एब्स रोलर। अमूमन इन्हें एक्सरसाइज व्हील्स भी कहा जाता है। जब भी आप कोर वर्कआउट करते हैं तो उसमें एब्स रोलर का इस्तेमाल किया जाता है। ये होम व जिम वर्कआउट दोनों के लिए बेहतर ऑप्शन हैं। एब्स रोलर सिर्फ पेट या कोर की मसल्स को ही मजबूत या टोन नहीं करते हैं, बल्कि इनकी मदद से आपकी पीठ व बाजुओं पर भी अच्छा असर पड़ता है। इतना ही नहीं, ये आपकी बॉडी की ओवर ऑल स्ट्रेंथ को इंप्रूव करते हैं और बॉडी बैलेंसिंग व स्टेबिलिटी को भी बेहतर बनाते हैं। एब्स रोलर से वर्कआउट करना यकीनन एक अच्छा विचार है।

एब्स रोलर क्या होते हैं?

एब्स रोलर को सही तरह से इस्तेमाल करने से पहले आपको इनके बारे में जान लेना चाहिए। एब्स रोलर का इस्तेमाल आमतौर पर कोर वर्कआउट के दौरान किया जाता है। इस पर एक छोटा पहिया और दो हैंडल बने होते हैं। इन हैंडल को पकड़कर ही व्यक्ति खुद को आगे-पीछे करता है। इस दौरान पेट की मसल्स पर जोर पड़ता है। साथ ही साथ, व्यक्ति को खुद को बैलेंस भी करना हेता है।

पहले करें वार्मअप

अगर आप कोर वर्कआउट के दौरान एब्स रोलर का इस्तेमाल करने का मन बना रहे हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप इससे पहले अच्छी तरह वार्म अप करें। साथ ही साथ, अपनी कोर की मसल्स को स्ट्रेच करें। इससे आपकी बॉडी वर्कआउट के लिए तैयार होती है। साथ ही साथ, आपको चोट लगने की संभावना भी काफी हद तक कम हो जाती है।

एक्सपर्ट की लें मदद

एब्स रोलर का इस्तेमाल करना देखने में काफी आसान लगता है। लेकिन एक बिगनर के लिए खुद को इस दौरान बैलेंस करने में काफी परेशानी होती है। कभी-कभी एब्स रोलर से वर्कआउट करते हुए चोट भी लग जाती है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप किसी फिटनेस एक्सपर्ट की देख-रेख में ही यह वर्कआउट करें। उनकी मदद से सही बॉडी फॉर्म, पोश्चर व टेक्निक का इस्तेमाल करने से आपको यकीनन काफी लाभ मिलेगा।

धीरे-धीरे करें एक्सरसाइज

कई बार यह देखने में आता है कि जब एब्स रोलर का इस्तेमाल करते हैं तो एकदम से बहुत तेजी से आगे बढ़ जाते हैं और इस दौरान अपनी पीठ को अधिक झुका लेते हैं। ऐसा करने से उनका बैलेंस बिगड़ जाता है और उन्हें चोट लग जाती है। इसलिए, हमेशा एब्स रोलर का इस्तेमाल करते हुए अपनी गति को नियंत्रण में रखें और उसे धीरे-धीरे ही आगे की ओर बढ़ाएं। इस दौरान आपकी पीठ एकदम सीधी होनी चाहिए। साथ ही, यह भी ध्यान रखें कि आप रोलर को बहुत अधिक आगे तक ना लेकर जाएं। इससे आपके लिए वापिस आना और अपनी बॉडी को बैलेंस करना मुश्किल होगा। हमेशा शुरुआत में छोटी दूरी तक रोल करें। जब आप धीरे-धीरे इसमें कंफर्टेबल होते जाएं, तभी आप दूरी को बढ़ाते जाएं।

कोर मसल्स को भी करें एंगेज

एब्स रोलर मुख्यतः कोर वर्कआउट के दौरान इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए जब भी आप एब्स रोलर से एक्सरसाइज करें तो अपनी कोर की मसल्स को टाइट रखें। इससे चोट लगने की संभावना काफी कम हो जाती है। साथ ही साथ, आपकी पीठ को भी सपोर्ट मिलता है।

फेफड़ों की समस्या किसी भी उम्र में संभव, सावधानी बरतना जरूरी

इन वजहों से 'जहर' भरता जा रहा फेफड़ों में, आप भी तो नहीं कर रहे ऐसी गलतियां?

फेफड़ों की बीमारियों का जोखिम दुनियाभर में बढ़ता जा रहा है। अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) और फेफड़ों का कैंसर इस महत्वपूर्ण अंग को प्रभावित करने वाली सबसे प्रमुख समस्याएं हैं। आंकड़े बताते हैं, हर साल लाखों लोगों की मौत फेफड़ों की बीमारियों के कारण हो जाती है। किसी भी उम्र के व्यक्ति को फेफड़ों की समस्या हो सकती है, इसलिए फेफड़ों की अच्छी देखभाल करना और इसे नुकसान पहुंचाने वाली आदतों से बचाव करते रहना जरूरी है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, जीवनशैली की कई गड़बड़ आदतों को फेफड़ों के लिए हानिकारक माना जाता है। कुछ आदतें तो ऐसी हैं जो फेफड़ों में जहर भरने जैसी मानी जाती हैं। दुर्भाग्यवश देश में बड़ी आबादी इसकी शिकार है। आइए जानते हैं कि फेफड़ों के लिए कौन सी आदतें हानिकारक हैं जिससे सभी लोगों को दूरी बना लेनी चाहिए?

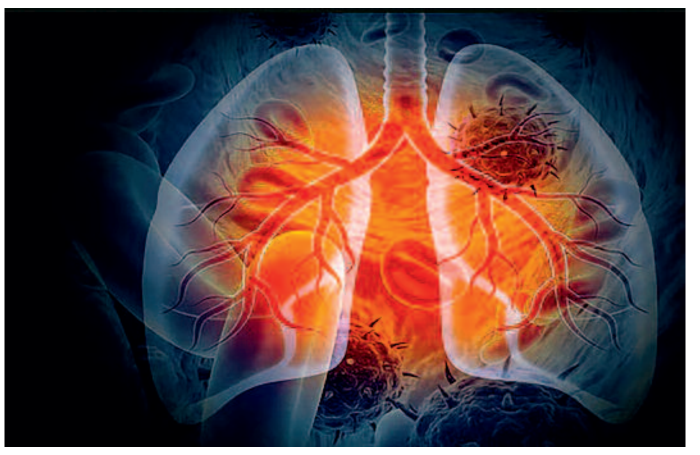

फेफड़ों की सेहत को लेकर बरतें सावधानी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं हमारे फेफड़े एक जटिल प्रणाली का हिस्सा हैं, जो ऑक्सीजन लाने और कार्बन डाइऑक्साइड बाहर निकालने के लिए हर दिन हजारों बार फैलते और सिकुड़ते हैं। फेफड़ों की बीमारी तब हो सकती है जब इस प्रणाली के किसी भी हिस्से में समस्या हो जाए। फेफड़े की बीमारियां दुनियाभर में तेजी से बढ़ती जा रही हैं। धूम्रपान, संक्रमण और प्रदूषण जैसे कई पर्यावरणीय कारक फेफड़ों को क्षति पहुंचा सकते हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को इस अंग को स्वस्थ रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। आइए उन आदतों के बारे में जानते हैं जिन्हें फेफड़ों के लिए जहर के जैसा माना जाता है।

धूम्रपान भर रहा है फेफड़ों में जहर

अमेरिकन लंग्स एसोसिएशन का कहना है कि फेफड़ों के कैंसर और सीओपीडी जैसी गंभीर जानलेवा बीमारियों के लिए धूम्रपान प्रमुख कारक है। अस्थमा से पीड़ित लोगों में धूम्रपान की आदत अस्थमा अटैक को ट्रिगर कर सकती है या उन्हें बदतर बना सकती है। धूम्रपान न करने वाले लोगों की तुलना में धूम्रपान करने वालों में सीओपीडी से मरने की आशंका 13 गुना अधिक देखी जाती है। सिगरेट आपके फेफड़े के ऊतकों को प्रभावित करते हैं जिससे फेफड़ों की सामान्य कार्यप्रणाली बाधित हो जाती है। सिगरेट के हर कश में 7,000 से ज़्यादा रसायन होते हैं जिसमें कार्बन मोनोऑक्साइड भी शामिल है। लंबे समय तक इन रसायनों के संपर्क के कारण फेफड़े गंभीर रोगों का शिकार होते जाते हैं।

प्रदूषकों से रहें सावधान

धूम्रपान की ही तरह प्रदूषण वाली जगहों पर रहना भी सेहत के लिए खतरनाक माना जाता है। इनडोर और आउटडोर प्रदूषक फेफड़ों की बीमारी का कारण बन सकते हैं। कभी-कभी कुछ प्रदूषकों से बचना मुश्किल हो सकता है, खासकर अगर आप खराब वायु गुणवत्ता वाली जगहों पर रहते हैं तो इससे जोखिम और भी बढ़ जाता है। प्रदूषित हवा में कई प्रकार के रसायनों का मिश्रण होता है जो फेफड़ों की कार्यक्षमता को नुकसान पहुंचाते हैं।

फेफड़ों की समस्याओं के लिए ये जोखिम कारक भी खतरनाक

फेफड़ों की समस्याओं के लिए कई जोखिम कारक हैं जिनपर ध्यान देना और बचाव के लिए उपाय करते रहना जरूरी है।अधिक वजन या मोटापा होना। फेफड़ों की समस्याओं का पारिवारिक इतिहास होना। गंभीर वायरल श्वसन संक्रमण और एलर्जी का जोखिम। उच्च रक्तचाप वाले लोगों को भी विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

छत्तीसगढ़ स्तरीय कैडेट जूडो चैंपियनशिप भिलाई में शुरू

रायपुर। तीन दिवसीय राज्य स्तरीय जूडो चैंपियनशिप (सब जूनियर, जूनियर, सीनियर, कैडेट बालक - बालिका) 15 से 17 जून तक डॉ बी आर अम्बेडकर सामुदायिक भवन, बैकुण्ठ धाम, भिलाई मे आयोजित की जा रही है। छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के तत्वावधान में दुर्ग जिला जूडो संघ द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का उदघाटन रविवार की दोपहर मुख्य अतिथि वैशाली विधायक रिकेश सेन ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भिलाई नगर निगम के महापौर नीरज पाल ने की। विशेष अतिथि बशीर अहमद खान (उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ) और जिला खेल अधिकारी विलियम लकड़ा थे।

- विधायक रिकेश सेन ने किया उदघाटन किया, नई कार्यकारिणी के चुनाव में अरूण प्रदेश अध्यक्ष

उदघाटन पश्चात छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ की आम सभा हुई जिसमे चुनाव अधिकारी और पर्यवेक्षक की उपस्थिति में आगामी चार वर्ष हेतु नई कार्यकारिणी का गठन निर्विरोध किया गया। जिसके अध्यक्ष अरुण द्विवेदी, महासचिव शम्भू सोनी और कोषाध्यक्ष आलोक मिश्रा पुनः निर्विरोध चुने गए। रायपुर की 30 खिलाड़ियों का दल इस राज्य जूडो प्रतियोगिता में अपने कोच श्वेता यादव, सूरज वर्मा, रेखा, कार्तिक स्वामी और राहुल शर्मा आदि के मार्गदर्शन में भाग ले रहा हैं। स्पर्धा के प्रथम दिन वजन और फिक्सचर बनाये गए।आज उदघाटन पश्चात बाउट शुरू हुए हैं जो बआज देर रात तक सब जूनियर और कैडेट वर्ग के मुकाबले होंगे तथा कल शेष मुकाबले कराए जाएंगे। 17 जून की शाम 06 बजे पुरस्कार वितरण समारोह होगा। उदघाटन अवसर पर त्रिलोचन सिंह, विनय जायसवाल, रमाकांत गुप्ता, संतोष मिश्रा सहित अनेक भाजपा नेता भी उपस्थित थे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी, महासचिव शम्भू सोनी, कोषाध्यक्ष आलोक मिश्रा, भिलाई से परमजीत सिंह, दुर्ग से आलोक मिश्रा, रायपुर से अनीस मेमन, राहुल शर्मा, दुर्ग से किरण, शेख शरीफ, बालोद से लखन कुमार साहू, बस्तर से अब्दुल मोइन, सत्रजीत बक्शी, सर्वजीत सिंह, बिलासपुर से राजकुमार जायसवाल, राजनांदगांव से लखन लाल गजभिये, बंसला नायर, अशोक पटेल, पी भानु यादव सहित विभिन्न जिलों के अध्यक्ष सचिव ने भी अपनी उपस्थिति दी।

फ्रिज की तरह ठंडा हो जाएगा मटका अगर डालेंगे ऐसी चीजें

गर्मी में ठंडा पानी पीने का और स्वस्थ रहने का तरीका यही है कि आप मटका लाकर रखें। हालांकि, इसका इस्तेमाल करते हुए कई चीजों का ध्यान देना पड़ता है। आपकी छोटी-सी गलती इसे खराब कर सकती है, जिससे आपको ठंडा पानी नहीं मिलेगा।

कैसे इस्तेमाल करें-

सबसे पहले मटके को अच्छी तरह से साफ कर लें। इसमें पानी भरें और 3-4 घंटे के लिए भीगने दें। मटके के पानी को गिराकर उसमें फिर से पानी भर दें। अब खस की जड़ को साफ करके अच्छी तरह से धो लें। जब जड़ से गंदगी निकल जाए,

तो उसे एक सफेद धागे से बांध लें। इसे मटके में डालें और तले में बैठने दें। कुछ ही देर में यह पानी को ठंडा कर देगी।

सेंधा नमक डालकर करें मटके का पानी ठंडा: मटके के पानी को ठंडा करने के लिए कई लोग नमक भी मिलाते हैं। सेंधा नमक पानी से गर्मी को अच्छी तरह से अवशोषित करने में मदद कर सकता है। इससे इवेपोराइजेशन प्रोसेस तेज हो जाता है। इसके कारण ही, कूलिंग इफेक्ट बढ़ता है और पानी ठंडा होता है। नमक की उपस्थिति ठंडा तापमान बनाए रखने में मदद करती है। इसके अतिरिक्त, नमक में प्राकृतिक रोगाणुरोधी गुण होते हैं जो बर्तन में पनपे बैक्टीरिया के विकास को रोककर पानी को साफ और पीने के लिए सुरक्षित रखने में मदद कर सकते हैं।

बढ़ती उम्र में पेट की चर्बी कम करने अपनाएं एक्सरसाइज

बढ़ती उम्र में हार्मोनल बदलाव के कारण महिलाओं के शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं। चेहरे पर झुर्रियां आने लगती हैं, वजन बढ़ने लगता है और मसल्स और हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। हालांकि, हमेशा जवां बने रहने का कोई शॉर्टकट नहीं होता है। लेकिन, हां अपने शरीर को शेप में रखने की कोशिश कर सकते हैं। इससे आप खुद का ख्याल रखते हुए जवां महसूस कर सकते हैं।

महिलाएं सबसे ज्यादा परेशान की पेट की बढ़ती चर्बी से रहती हैं। एब्स को टोन करना सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप कैसे दिखते हैं? पेट की मसल्स आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए जरूरी होती हैं। बढ़ती उम्र में मजबूत कोर आपको तनाव या चोट से बचने में मदद करती है।

यहां कुछ एब्स वर्कआउट दिए गए हैं, जिन्हें बढ़ती उम्र की महिलाओं को अपने फिटनेस रूटीन में जरूर शामिल करना चाहिए। इसकी जानकारी हमें सेलिब्रिटी फिटनेस एक्सपर्ट यास्मीन कराचीवाल के इंस्टाग्राम अकाउंट से मिली है।

सिंगल लेग स्ट्रेच

पीठ के बल लेट जाएं। घुटनों को मोड़कर पैरों को जमीन पर रखें। हाथों को सिर के पीछे रखें। सिर, गर्दन और कंधों को जमीन से ऊपर उठाएं। इससे पेट की मसल्स पर प्रेशर महसूस होगा। घुटनों को चेस्ट के पास लाएं। दाएं पैर को सीधा फैलाएं। दोनों हाथों को बाईं पिंडली पर रखें। ऐसा करते समय अंदर वाले हाथ को घुटने और बाहर वाले हाथ

को टखने के पास रखें। दूसरे पैर से एक्सरसाइज को दोहराएं। बेहतर रिजल्ट के लिए कम से कम 6-8 रैप्स में करें।

डबल लेग स्ट्रेच

पीठ के बल लेट जाएं। घुटनों को मोड़कर पैरों को जमीन पर रखें। गर्दन और कंधों को ऊपर उठाएं। हाथों से अपने सिर को सहारा दें। दोनों पैरों को जमीन से ऊपर उठाएं। घुटनों को चेस्ट की ओर लेकर जाएं। पैरों को ऊपर उठाते हुए दोनों हाथों को सिर के साथ पीछे की ओर सीधा स्ट्रेच करें। हाथों और पैरों को स्ट्रेच करते समय गहरी सांस लें। सांस छोड़ते हुए हाथों को सिर के ऊपर वापस लाएं। इसे भी 6-8 रैप्स में करें।

सिंगल स्ट्रेट लेग स्ट्रेच

पीठ के बल लेट जाएं। घुटनों को मोड़कर पैरों को जमीन पर रखें। सिर, गर्दन और कंधों को चटाई से थोड़ा ऊपर उठाएं। फिर बाएं पैर को ऊपर की ओर सीधा उठाएं। पैर और जमीन के बीच 90 डिग्री की दूरी बनाएं। बाएं पैर उठाते हुए दाएं हाथ को बाएं टखने की ओर ले जाएं। दूसरे हाथ को साइड में रखें। पैर बदलते रहें।इस एक्सरसाइज को 6-8 बार दोहराएं

डबल स्ट्रेट लेग स्ट्रेच

जमीन पर पीठ के बल लेट जाएं। सिर, गर्दन और कंधों को ऊपर की ओर उठाएं। सहारा देने के लिए हाथों को सिर के पीछे रखें।जमीन से 90 डिग्री का कोण बनाए रखते हुए पैरों को सीधा और एक साथ रखें। सांस लेते हुए पैरों को ऊपर की ओर उठाएं। पैरों को सीधा रखें। अब, सांस छोड़ते हुए पैरों को जमीन की ओर नीचे करें। इस एक्सरसाइज को कम से कम 6-8 बार दोहराएं।

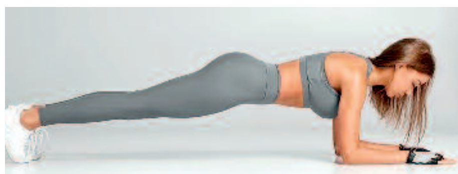

कार्नर न्यूज

हर अभिभावक का दायित्व है अपने बच्चे को लेकर रहें सजग

बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए उनके शिक्षक से जरूर पूछें सवाल

हर माता पिता अपने बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए चिंतित रहते हैं। बच्चा बड़ा होकर आत्मनिर्भर बन सके, एक अच्छा नागरिक और सामाजिक व्यक्ति बने, इसके लिए माता पिता बच्चे को अच्छे संस्कार देने के साथ ही उसे किताबी ज्ञान हेतु स्कूल भेजते हैं। स्कूल में बच्चे को शिक्षा के माध्यम से जीवन आसानी से जीने के लिए सभी जरूरी बातें सिखाई जाती हैं। माता पिता भी अपने बच्चे की अच्छी शिक्षा का खास ध्यान देना चाहते हैं। इसके लिए अभिभावक अपने बच्चे की शिक्षा, समझदारी और उन्नति के बारे में समय समय पर उनके शिक्षक से बातचीत करते हैं। शिक्षक आपको बच्चे की सीख के बारे में जानकारी देते हैं। हालांकि बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए हर अभिभावक को अपने बच्चे के शिक्षक से कुछ सवाल जरूर पूछने चाहिए।

आप कक्षा में संघर्ष करने वाले छात्रों से कैसे निपटते हैं?

इस सवाल के जरिए आप समझ सकते हैं कि शिक्षक क्लास में कैसे उन बच्चों को तलाशते हैं जिन्हें पढ़ाई में अधिक मदद या ध्यान दिए जाने की जरूरत है। ऐसे बच्चों की समस्याओं को कितना चुनौतीपूर्ण मानकर शिक्षक उन्हें पढ़ाते हैं।

कक्षा में रचनात्मकता और नवीन सोच जोड़ने के लिए आप क्या करते हैं?

आज के दौर में रचनात्मकता और नए विचार की अहमियत बहुत अधिक है। ऐसे में आपको पता होना चाहिए कि शिक्षक कैसे आपके बच्चे में इस कौशल को निखार रहे हैं। विशेष एक्टिविटीज और प्रोजेक्ट्स जो रचनात्मकता को बढ़ाती हैं, उन पर चर्चा करें।

मेरा बच्चा चुनौतियों और असफलताओं को कैसे संभालता है?

शिक्षक से सवाल करें कि आपका बच्चा चुनौतियों पर कैसे प्रतिक्रिया देता है। क्या किसी समस्या पर वह मदद मांगता है और असफलताओं को कैसे संभालता है। यह जानकारी बच्चे को प्रभावी तरीके से समस्या का समाधान निकालने के कौशल को सिखाने में मदद करेगी।

क्लास में सीखते समय बच्चे को क्या समस्या या बाधा आती है?

सामान्य बाधाओं की पहचान करके आप उन पर काबू पाने में अपने बच्चे की सहायता करने में मदद कर पाएंगे। फिर चाहे ये पाठ्यक्रम, कक्षा की गतिशीलता, या बाहरी कारकों से संबंधित है, इन बाधाओं को समझने से आपको और शिक्षक को उन्हें प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए मिलकर काम करने में मदद मिल सकती है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

छप्परफाड़ कमाई को तैयार है रेनॉल्ड की डेडपूल एंड वूल्वरिन

ह्यू जैकमैन और रयान रेनॉल्ड अभिनीत फिल्म डेडपूल एंड वूल्वरिन लंबे समय से चर्चा में है। इस फिल्म का इंतजार दुनियाभर के दर्शकों को है। इस बीच फिल्म को लेकर एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रिलीज के बाद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने के लिए तैयार है। रिपोर्ट्स के मुताबिक डिज्नी/ मार्वल स्टूडियोज की यह फिल्म पहले सप्ताहांत में 20 करोड़ डॉलर से 23.9 करोड़ डॉलर तक के बीच कमाई कर सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म की कमाई का यह अनुमान द कोरम ने लगाया है जो छह सप्ताह पहले से ही फिल्म की ट्रैकिंग शुरू कर देता है। द कोरम के यह आंकड़े वाकई हैरान कर देने वाले हैं, क्योंकि कोई भी आर-रेटेड फिल्म ने अब तक पहले वीकएंड में 20 करोड़ डॉलर की कमाई नहीं की है। सबसे ज्यादा कमाई करने वाली आर-रेटेड फिल्म डेडपूल है। यह फिल्म साल 2016 में फरवरी के महीने में रिलीज हुई थी। इसने पहले सप्ताहांत में 13.24 करोड़ डॉलर की कमाई की थी। अगर फिल्म इन आंकड़ों के मुताबिक कमाई करती है तो यह सबसे तगड़ी ओपनिंग करने वाली शीर्ष पांच फिल्मों में आसानी से शामिल हो जाएगी। इस सूची में पहले नंबर पर एवेंजर्स एंडगेम है।इस लिस्ट में फिलहाल एंडगेम (35.7 करोड़ डॉलर) के अलावा स्पाइडर-मैनः नो वे होम (26 करोड़ डॉलर), एवेंजर्सः इनफिनिटी वॉर (25.7 करोड़ डॉलर), स्टार वार्सः द फोर्स अवेकेंस (24.7 करोड़) और स्टार वार्सः द लास्ट जेडी (22 करोड़) जैसी फिल्में शामिल हैं। डेडपूल एंड वूल्वरिन 26 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। इस फिल्म का निर्देशन शॉन लेवी ने किया है।

टॉलीवुड

भारत का सबसे बड़ा गाना घोषित हुआ 'भैरव एंथम'

प्रभास इस महीने अपनी बहुप्रतीक्षित डायस्टोपियन फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के साथ बड़े पर्दे पर छाने के लिए तैयार हैं। फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। निर्माताओं ने महीने की शुरुआत में दिलजीत दोसांझ और प्रभास को प्रदर्शित करने वाली फिल्म के पहले सिंगल की घोषणा की थी। अब नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के पहले गाने 'भैरव एंथम' का प्रोमो जारी कर दिया गया है। फिल्म की टीम ने इसे भारत का सबसे बड़ा गाना करार दिया है। 'कल्कि 2898 एडी' की रिलीज में सिर्फ एक हफ्ता बचा है और फिल्म की टीम ने रविवार को फिल्म का पहला गाना 'भैरव एंथम' रिलीज किया है। इसी बीच निर्माताओं ने 21 सेकंड लंबा एक प्रोमो जारी किया, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया। यह जोशीला नंबर टीम कल्कि की ओर से अब तक सामने आई सभी प्रचार सामग्री के साथ मेल खाता है। दिलजीत ने संतोष नारायणन द्वारा रचित एक पंजाबी प्रमोशनल नंबर के लिए गाना गाया, जिसमें वह और प्रभास साथ में स्क्रीन साझा करते नजर आ रहे हैं। सामान्य मार्ग पर जाने के बजाय, नाग दर्शकों को फिल्म के लिए बनाई गई दुनिया से परिचित करा रहे हैं। प्रभास के चरित्र भैरव और अमिताभ बच्चन के चरित्र अश्वत्थामा को पेश करने के अलावा, उन्होंने बुज्जी नामक एक एआई ड्रॉइड भी पेश किया है, जिसे तेलुगु में कीर्ति सुरेश ने आवाज दी है। 'कल्कि 2898 एडी' की टीम ने आनंद महिंद्रा और सिएट की मदद से फिल्म के लिए बनाए गए कस्टम-निर्मित वाहन को दिखाने के लिए हैदराबाद में एक विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किया। प्रभास ने एक कार्यक्रम में गाड़ी चलाई, जिसमें प्रेस और प्रशंसक उपस्थित थे। बाद में, नागा चैतन्य और F1 रेसर नारायण कार्तिकेयन ने भी वाहन चलाकर दर्शकों का दिल जीता।

भोजपुरी

नम्रता का वीडियो हुआ जमकर वायरल, उड़ा दिए सबके होश

भोजपुरी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला ने भोजपुरी गाने पर कमाल का डांस किया है। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है जिसमें वो अपने लटके-झटके दिखा रही हैं। भोजपुरी एक्ट्रेसेस अपने डांस वीडियो से हर किसी का दिल बहलाती रहती हैं। खासकर नम्रता मल्ला के वीडियो सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें एक भोजपुरी गाने पर उन्होंने कमाल का डांस किया और उनका ये डांस फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। नम्रता मल्ला के लटके-झटकों को देखकर फैंस दीवाने हो रहे हैं। इंटरनेट पर भोजपुरी गाने हमेशा गर्दा उड़ाते हैं लेकिन जब कोई भोजपुरी एक्ट्रेस उसपर परफॉर्म करते हुए वीडियो शेयर करती हैं तो उसकी बात ही अलग हो जाती है। नम्रता मल्ला की नई रील सामने आई है जिसे खूब तारीफें मिल रही हैं। नम्रता मल्ला ने ये वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। नम्रता ने जिस गाने पर डांस किया है उसका नाम 'पिंजरे वाली मुनिया' है। वीडियो तैयार करने वाली टीम का दावा है कि इस गाने में नम्रता के लटके-झटके देखकर दर्शकों का एक वर्ग अपना होश खो देगा। ब्लैक आउटफिट में एक्ट्रेस काफी ग्लैमरस नजर आ रही हैं।

शगुन की हरियाली

उत्तरी अमेरिका फैशन वीक (एनएएफडब्ल्यू) में डिजाइनर शगुन अग्रवाल का कलेक्शन तारीफ के काबिल रहा है। यहां शगुन ने अपनी मॉडल को हरियाली के संदेश के साथ रैम्प पर उतारा। एनएएफडब्ल्यू एक प्रेरणादायक और बहुचर्चित फैशन शो है, जो व्यापार शो, मीडिया कार्यक्रमों, सनसनीखेज पैनल चर्चाओं, शैक्षिक सेमिनारों और कार्यशालाओं से भरपूर रहता है। ऐसे मंच पर शगुन अग्रवाल का कलेक्शन दर्शकों को खूब पसंद आया।

लाइफ स्टाइल

बैक ब्लाउज के ट्रेंडी डिजाइंस आपको देंगे स्टाइलिश लुक

वैसे तो आपको साड़ी के कई डिजाइंस ऑनलाइन से लेकर ऑफलाइन मार्केट तक में मिल जाएंगे, लेकिन साड़ी कितनी भी सुंदर क्यों न हो लुक को खास बनाने के लिए ब्लाउज के डिजाइन का बेहतरीन होना जरूरी होता है। इसलिए कहा जाता है कि ब्लाउज के डिजाइन पर भी ध्यान देना चाहिए। ब्लाउज के लिए फ्रंट के साथ-साथ बैक दोनों डिजाइन ही मायने रखते हैं।

अगर आप साड़ी के साथ पहनने वाले ब्लाउज के लिए आज के जमाने का डिजाइन बनवाना चाहती हैं तो आज हम आपके लिए कुछ बेहद ही खूबसूरत बैक ब्लाउज के डिजाइन लेकर आए हैं। साथ ही बताएंगे इन्हें स्टाइल करने के आसान टिप्स।

स्ट्रैप बैक डिजाइन ब्लाउज

आजकल मॉडर्न और बोल्ड लुक पाने के लिए आपको मार्केट में कई स्ट्रैप वाले ब्लाउज डिजाइन आसानी से मिल जाएंगे। बता दें कि

अगर आप इस तरह का ब्लाउज सिल्वा रही हैं तो फैब्रिक के लिए हैवी वर्क वाले डिजाइन को चुन सकती हैं। इसके अलावा आप गोटा-पट्टी लेस की मदद लेकर भी स्ट्रैप बनवा सकती हैं।

डोरी बैक डिजाइन ब्लाउज

बड़े गले पहनना पसंद करती हैं तो सपोर्ट के लिए डोरियों का इस्तेमाल ब्लाउज पर किया जाता है, लेकिन इसके बाद अब ब्लाउज को स्टाइलिश लुक देने के लिए डोरी का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं ब्लाउज को आकर्षक बनाने के लिए आप डोरियों में हैवी लटकन का इस्तेमाल कर सकती हैं।

चूड़ी स्टाइल बैक डिजाइन

सबसे अलग डिजाइन का ब्लाउज पहनना चाहती हैं तो इस तरह से चूड़ी की मदद लेकर भी ब्लाउज का बैक डिजाइन बनवा सकती हैं। आप चाहे तो चूड़ी की जगह पर कपड़े की मदद लेकर लूप्स भी बनवा सकती हैं। इसके अलावा आप अपनी मर्जी के बैक डिजाइन ब्लाउज का शेप चुन सकती हैं।

वी-नेक बैक डिजाइन ब्लाउज

इस तरह का डिजाइन खासकर चौड़े कंधे वालों पर खूबसूरत नजर आता है। वहीं इस तरह के ब्लाउज को आकर्षक लुक देने के लिए आप किनारी लेस लगवा सकती हैं। इसके अलावा चाहे तो बीड्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस तरह का डिजाइन आपके लुक को बोल्ड बनाने में मदद करेगा।

ईद पर दिखाना है अलग अंदाज तो इन अभिनेताओं के लुक से लें टिप्स

फैशन

हर साल ईद उल फितर के बाद ईद उल अजहा का त्योहार आता है। ईद उल फितर की तरह ही इस ईद की भी अलग अहमियत है। ईद उल अजहा इस साल बकरीद ईद 17 जून को मनाई जा रही है। इस दिन लोग खुशियां बांटते हुए मनाते हैं।

इस त्योहार पर नए कपड़े पहनने का रिवाज है। लड़कियां तो इसकी तैयारी महीनों पहले से शुरू कर देती हैं। लेकिन लड़के अपनी व्यस्तताओं के चलते वक्त से पहले ड्रेसिंग सेंस पर ध्यान नहीं दे पाते। अगर आप भी इस बार ईद के दिन अपना स्टाइलिश अंदाज दिखाना चाहते हैं, तो कुछ अभिनेताओं के लुक्स देख सकते हैं, जिनसे टिप्स लेकर आप ईद के दिन तैयार हो सकते हैं।

करण सिंह ग्रोवर

टीवी की दुनिया से लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाने वाले करण सिंह ग्रोवर का हर अंदाज लोगों को काफी पसंद आता है। अगर आप ईद के दिन एथनिक पहनने का सोच रहे हैं तो करण के इस लुक से टिप्स ले सकते हैं। बंद गले वाले इस कुर्ते के साथ चूड़ीदार पायजामा भी अच्छा लगेगा।

शोएब इब्राहिम

टीवी के साथ-साथ यूट्यूब की दुनिया में अपनी अलग छाप छोड़ने वाले शोएब का एथनिक अंदाज काफी क्लासी रहता है। उनका ये ब्लैक रंग का मिरर वर्क वाला कुर्ता पायजामा देखने में काफी अच्छा लग रहा है। इसके साथ शोएब की तरह ही दुपट्टा जरूर कैरी करें।

विक्की कौशल

अगर कुछ रॉयल पहनने का सोच रहे हैं तो विक्की कौशल का ये लुक आपके लिए परफेक्ट रहेगा। इसके साथ आप भी विक्की की तरह ही हैवी दुपट्टा या शॉल कैरी करें। गर्मियों में पहनने के लिए अलग तरीके की शॉल आती है, जो आपके लुक को अलग दिखने में मदद करेगी।

मोहसिन खान

अपनी क्यूटनेस से लोगों का दिल जीतने वाले मोहसिन का एथनिक अंदाज काफी अच्छा रहता है। आप ईद के लिए उनके इस लुक से टिप्स ले सकती हैं।

ईद के मौके पर हाथों पर सजाएं मेहंदी की बेमिसाल डिजाइंस

ईदुल अजहा के मौके पर अगर हाथों में खूबसूरत मेहंदी लगवाने की ख्वाहिश हर महिला की होती है। यहां गल्फ या अरेबिक मेहंदी डिजाइंस के बारे में आपको जरूर जान लेना चाहिए। यह डिजाइंस भी खास हैं क्योंकि इसमें आपको गल्फ आर्ट देखने को मिल जाएगी, जो इसे अन्यत मेहंदी डिजाइंस से अलग अंदाज देती है।

गल्फ मेहंदी आर्ट की खासियत

अरब सागर के तट पर स्थित बहरीन, कुवैत, इराक, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में अरेबिक मेहंदी लगाने का चलन ज्यादा है। इस मेहंदी को भारतीय महिलाएं भी बहुत पसंद करती हैं। हालांकि, अरेबिक मेहंदी के अलावा अब इस क्षेत्र में अन्यइ डिजाइंस को भी पसंद किया जा रहा है। जिसमें इस्लामिक इमारतों के आर्किटेक्ट डिजाइंस को शामिल किया जाता है। मेहंदी आर्टिस्ट की हेंडराइटिंग अच्छी है तो आप उससे हाथों पर मेहंदी के कोन से ईद उल अजहा अंग्रेजी, हिंदी या उर्दू भाषा में लिखवा सकती हैं। इससे आपकी मेहंदी का त्योहार के

लिहाज से महत्व और भी ज्यादा बढ़ जाएगा। इस तरह की मेहंदी पूरी तरह से फेस्टिवल सेंट्रिक हो जाएगी।

बेल मेहंदी डिजाइन

बेल में आपको कई डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे, लेकिन बकरीद के खास मौके पर आप इस तरह से एक की जगह 2 उंगलियों पर गल्फ डिजाइन वाली मेहंदी आर्ट बनवा सकती हैं। इसमें ज्यादातर फूल और पत्तियों के डिजाइन को पसंद किया जाता है।

लंबे चेहरे वाली लड़कियां ट्राई करें ट्रेंडी हेयर स्टाइल, दिखेंगी खूबसूरत

अगर आपका फेस लंबा है तो इसके लिए आप यहां बताए गए हेयर स्टाइल को ट्राई कर सकती हैं और परफेक्ट लग सकती हैं।

ओपन हेयर स्टाइल

कई बार ऐसा होता है कि हम जल्दी में कोई भी हेयर स्टाइल बना लेते हैं। लेकिन अब ऐसे न करें। क्योंकि जो भी आपका फेस कट अगर आप उसके हिसाब से हेयर स्टाइल बनाएंगी तो बिल्कुल अलग नजर आएंगी। ऐसे में अगर आपका फेस लंबा है तो आप ओपन कर्ल हेयर स्टाइल को ट्राई कर सकती हैं। इसके लिए आपको बालों को मशीन से कर्ल करना है फिर इन्हें स्प्रे से सेट करना है। ऐसे आपका हेयर स्टाइल बनकर रेडी हो जाएगा। आप चाहे तो हेयर स्टाइल बनाने के बाद फैंसी एक्सेसरीज एड कर सकती हैं।

स्लीक बन हेयर स्टाइल

स्लीक बन हेयर स्टाइल आजकल हर कोई बनाना पसंद करता है। आप भी इन्हें बना सकती हैं। लंबे फेस वाली लड़कियों पर ये हेयर स्टाइल (ट्राई करें ये 5

हेयरस्टाइल) काफी क्लासी लगते हैं। इसकी खास बात ये होती है इस बन को बनाने के काफी कम समय लगता है। इसके लिए पहले आपको अपने बालों को स्ट्रेट करना है।

पोनीटेल हेयर स्टाइल

अगर आप क्लासी लुक क्रिएट करना चाहती हैं तो इसके लिए आप पोनीटेल हेयर स्टाइल को ट्राई कर सकती हैं। इस तरीके के हेयर स्टाइल (पतले बालों के लिए परफेक्ट हेयर स्टाइल) लंबे फेस वाली लड़कियों पर काफी अच्छे लगते हैं।

कार्नर न्यूज

कई बार जल्दबाजी तो कई बार अंजाने में हो जाती हैं गलतियां, ध्यान देना जरूरी

स्किन केयर से जुड़ी गलतियां हर दिन करते हैं पुरुष, कहीं आप भी इनमें से एक तो नहीं

जाने अनजाने में हम ऐसी गलतियां करते हैं और हमें एहसास भी नहीं होता कि हम अपनी स्किन को कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं। हम आपको ऐसी ही कुछ गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं और ये भी आप उन्हें कैसे ठीक कर सकते हैं।

हर चीज के लिए एक साबुन

चेहरे की त्वचा सबसे संवेदनशील होती है और इसकी देखभाल की कुछ अनूठी जरूरतें होती हैं। अपने शरीर और चेहरे को एक ही साबुन से धोना अच्छा विचार नहीं है। ऑर्गेनिक इंग्रीडिएंट्स वाले फेस वॉश का उपयोग पुरुषों के लिए बेस्ट है। एक्टिवेटेड चारकोल युक्त फेस वॉश एक अच्छा विकल्प है। यह कैमिकल्स के बिना बैक्टीरिया और गंदगी को हटाता है, जो आपकी त्वचा को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए अपने पुराने साबुन को आज ही हटा दें और इसके बजाय नैचुरल सोप या बॉडी वॉश का उपयोग करें।

आपके शेव रूटीन से स्किन में जलन हो सकती है

फोमिंग शेविंग क्रीम आपकी त्वचा के लिए अच्छी नहीं है। यह आपकी त्वचा की रक्षा करने और आपके रेजर को चिकनाई

देने में नाकाम रहता है। हवा के बुलबुले जिन्हें आप फोम कहते हैं, आपके चेहरे को जलन से बचाने के कुछ नहीं करते हैं। इसके बजाय पुरुषों के लिए लोशन आधारित नो-फोम शेव क्रीम बेहतर है। अगर आप इसका प्रयोग करेंगे तो आपको तुरंत फर्क नजर आने लगेगा। हाई क्वालिटी शेव क्रीम का उपयोग करने का मतलब है कम रेडनेस और कम से कम त्वचा में जलन और खुजली। शेविंग के बाद हमेशा एक नैचुरल आफ़्टरशेव का इस्तेमाल जरूर करें। इसमें अल्कोहल नहीं होना चाहिए। इसलिए सबसे बेस्ट का ही चुनाव करें।

दो बार फेस वॉश का इस्तेमाल

पुरुषों के लिए दिन में दो बार फेस वॉश का इस्तेमाल करना जरूरी है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि पुरुषों के लिए फेस मॉइस्चराइज़र उतना महत्वपूर्ण नहीं है। ज्यादातर पुरुषों को हर बार अपना चेहरा धोते समय मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करना चाहिए।

एसपीएफ का उपयोग न करना

स्किन को ड्राई बनाने के बहुत से कारण हो हैं, लेकिन सूर्य की किरणें इसका सबसे बड़ा कारण है। हमेशा सन प्रोटेक्शन का इस्तेमाल करें। इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। अपने मॉइस्चराइजर के इस्तेमाल के बाद इसका प्रयोग करना न भूलें। सन प्रोटेक्शन फैक्टर (एसपीएफ) 15 या इससे अधिक रेटिंग वाला सनस्क्रीन चुनें।